सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

परिवहन विशेष

www.newsparivahan.com

वर्ष 02, अंक 83, नई दिल्ली । मंगलवार, 04 जून 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

लड़ाई लड़ने वाला तो विजय प्राप्त करता है परंतु दूर से देखने वाला तो सिर्फ तालियां बजाता रह जाता है।

03 संस्कारशाला: सुबह जल्दी उठने के लाभ और हमारे दैनिक जीवन में इसका महत्व
06 फार्मा सेक्टर से बढ़ते निर्यात का परिदृश्य
08 कुछ खास एवम् जरूरी बाते

दिल्ली परिवहन विभाग ने 1 जून को बड़े स्तर पर कर्मचारियों/ अधिकारियों का किया स्थान परिवर्तन आदेश

- जैसी सोच वैसा आदेश के प्रति सोचे समझे तरीके से दिल्ली परिवहन विभाग में कार्यरत कर्मचारियों और डीटीओ के पूर्व स्थानों से दूसरे स्थानों के आदेश जारी हुए।
- इस लिस्ट में सबसे अच्छी बात देखने को मिली की

संजय बाटला

नई दिल्ली। परिवहन विभाग के सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी शाखा (एमएलओ/ डीटीओ एच.क्यू.) में स्टाफ की कमी को पूरा करने के नाम से भेजे गए सांख्यिकीय अधिकारी को इस परिवर्तन की लिस्ट से बाहर रखा गया जब की लिस्ट में पहला नाम उनका होना चाहिए था पर उन्हें उसी तकनीकी शाखा में ही रहने दिया गया जहा उनका कोई कार्य नहीं।

सांख्यिकीय अधिकारी (एस. ओ.) जिसका कार्य विकास कार्यक्रम की योजना तैयार करने के लिए आवश्यक सभी प्रकार के सांख्यिकीय आंकड़ों के लिए महत्वपूर्ण रूप में कार्य करना है और जिले की विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समस्याओं से संबंधित सर्वेक्षण करना है और चयनित परियोजनाओं पर मूल्यांकन का अध्ययन करना है। **अब आप ही बताइए ऐसे अधिकारियों का तकनीकी शाखा डीटीओ एचक्यू मे क्या कार्य, पर आला अधिकारी जो चाहें वह कर सकता है।**

कुछ समय पूर्व एक अधिकारी के आदेश डीटीओ लोनी के लिए किए पर उसकी जगह पर जिस अधिकारी को भेजने के आदेश करने थे वह तब से आज इतनी बड़ी संख्या की लिस्ट आने के बाद भी नही किया, आला अधिकारी जो करे वही नियम और कानून

अधिकारी के परिवार में बीमारी होने की जानकारी होते हुए अधिकारी को उसके घर से बहुत दूर की शाखा में परिवर्तित कर देना, आला अधिकारी जो चाहें वह ही सही

एक अधिकारी जो मात्र 25 दिन पहले किसी पद शाखा में नियुक्त किया गया उसे वहा से हटा कर उसी की इच्छा के दो कार्यलय शाखाओं का पद भार प्रदान कर देना, सब सम्भव और सही है क्योंकि आला अधिकारी का आदेश है

मात्र 9 महीने में रिटायर होने वाले अधिकारी का पद परिवर्तित कर देना, है **ना सम्भव पर सिर्फ परिवहन विभाग दिल्ली में क्योंकि आला अधिकारी ही है नियम/ कानून।**

सरकार तुरंत बढाई हुई टोल दरें वापस ले और पुलिस,आरटीओ, बॉर्डररों पर फले भ्रष्टाचार से निजात दिलवाऐ : आर के शर्मा

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आर के शर्मा ने सरकार द्वारा 5 % बढ़ाई गई टोल दरों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सरकार को चेतावनी देते हुए तुरंत प्रभाव से बढ़ाई गई टोल दरें वापस लेने को कहा है अन्यथा ट्रांसपोर्टर सड़कों पर उतर कर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा चुनाव के रुझान आते ही भाजपा सरकार ने ट्रांसपोर्टर एवं आमजन के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है उन्होंने बताया हर प्रदेश के तरह-तरह के जबरदस्ती थोपे गए टैक्सो, पुलिस, आरटीओ, बॉर्डरो पर फले भ्रष्टाचार की वजह से ट्रांसपोर्टर पहले ही घाटे में चल रहे हैं वो डीजल से ज्यादा टोल टैक्स दे रहे हैं गाड़ी खरीदने समय भी एक मुस्त मोटी रकम रोड टैक्स के रूप में देते हैं। श्री आर के शर्मा ने कहा बिना किसी सरकारी मदद, प्रोत्साहन एवं निम्न दर्जे का ड्राइवर व ट्रांसपोर्टर कहलाते हुए भी 95% देश के कोने-कोने तक जरूरत का समान समय पर पहुंचाने वाले ट्रांसपोर्टरों की ऐसी दुर्दशा पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने कहा किसानों एवं सैनिकों की तरह देश की आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति में अहम भूमिका निभाने वाले ट्रांसपोर्टरों को मरने के लिए मजबूर करने की बजाय सरकार उन्हें सुख सुविधा प्रदान कर प्रोत्साहित करे।

नोएडा में मंगलवार को बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था, घर से निकलने से पहले देख लें एडवाइजरी

नोएडा में मंगलवार को सुबह चार बजे से मतगणना समाप्ति तक फूल मंडी परिसर के आसपास आंतरिक मार्गों पर मतगणना से संबंधित वाहनों का छोड़कर अन्य समस्त प्रकार का यातायात पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। फूल मंडी तिराहा से सेक्टर-88 कैंट आरओ चौक तक मार्ग के दोनों ओर यातायात का अवागमन पूर्णतः बंद रहेगा।

नोएडा। मतगणना के दिन मंगलवार यानी कल फेज-2 स्थित फूल मंडी के पास ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। ट्रैफिक पुलिस की ओर से इस संबंध में एडवाइजरी जारी की गई है।

डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव का कहना है कि सुबह चार बजे से मतगणना समाप्ति तक फूल मंडी परिसर के आसपास आंतरिक मार्गों पर मतगणना से संबंधित वाहनों का छोड़कर अन्य समस्त प्रकार का यातायात पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

केवल अधिकारी गणों के वाहनों का रहेगा आवागमन

फूल मंडी तिराहा से सेक्टर-88 कैंट आरओ चौक तक मार्ग के दोनों ओर यातायात का अवागमन पूर्णतः बंद रहेगा। इस मार्ग से केवल अधिकारी गणों के वाहनों का आवागमन रहेगा।

कुलेसरा हरनंदी पुल तिराहा से थाना फेज-2 तिराहा डीएससी मार्ग पर और ककराला तिराहा से कुलेसरा हरनंदी पुल तक मार्ग पर दोनों ओर समस्त प्रकार का यातायात पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

फूलमंडी के चारों ओर सार्वजनिक मार्ग व एक किमी के दायरे में पार्क नहीं करेंगे। यदि कोई वाहन सार्वजनिक मार्ग पर खड़ा पाया जाता है, तो उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ऐसा रहेगा यातायात

सूरजपुर से कुलेसरा डीएससी रोड होकर फेज-2 की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के मालवाहक वाहन कच्ची सड़क तिराहा से दाएं टर्न कर इंडस्ट्रियल एरिया मार्ग (ईकोटेक-3) होकर अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

भंगेल/जेपी पलाईओवर से गेझा तिराहे होकर सूरजपुर की ओर डीएससी मार्ग पर जाने वाले समस्त प्रकार के मालवाहक वाहन गेझा तिराहा से दाएं यूटर्न कर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे, परी चौक होकर अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

नोएडा शहर/सेक्टर-101, सेक्टर-81 की ओर से सूरजपुर की ओर डीएससी मार्ग का प्रयोग कर जाने वाले समस्त प्रकार के मालवाहक वाहन एनएसइजेड तिराहा से यूटर्न लेकर एनएसइजेड मेट्रो लाइन के नीचे तिराहा से सेक्टर-93 से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर गंतव्य को जा सकेंगे।

पंचशील/एल्डिको सेक्टर-93 की ओर से सेक्टर-83 याकूबपुर, सेक्टर-87 नयागांव, सेक्टर-88 कैंट आरओ चौक, एनएसइजेड/फेज-2 होकर सूरजपुर की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के मालवाहक वाहन पंचशील अंडरपास/सेक्टर-93 से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे/ परी चौक होकर अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

सोहरखा, सेक्टर-78 से ककराला फेज-2 होकर डीएससी मार्ग की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के मालवाहक वाहन पर्थला/किसान चौक, बिसरख होकर अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

कुलेसरा से फेज-2 नोएडा की ओर डीएससी मार्ग पर आने वाले सामान्य वाहन हरनंदी पुल तिराहा से बाएं मुड़कर पुश्ता मार्ग होकर बी-ब्लाक सेक्टर-88 चौराहे से होते हुए आगे नयागांव तिराहा सेक्टर-83 व अन्य संपर्क मार्गों से डीएससी मार्ग पर आकर अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

नोएडा शहर की ओर से सूरजपुर की ओर डीएससी मार्ग का प्रयोग कर जाने वाले सामान्य वाहन डीएससी मार्ग पर ककराला तिराहा सेक्टर-80 से बाएं टर्न कर सोहरखा गांव चौक से बिसरख हनुमान मन्दिर गोलचक्कर होकर गंतव्य को जा सकेंगे।

सोहरखा, सेक्टर-78 से ककराला फेज-2 होकर डीएससी मार्ग होकर सूरजपुर की ओर जाने वाले सामान्य वाहन पर्थला, किसान चौक, बिसरख होकर अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

सोहरखा, सेक्टर-78 से ककराला फेज-2 होकर डीएससी मार्ग होकर सेक्टर-83, सेक्टर-87 की ओर जाने वाले सामान्य वाहन सोरखा तिराहा से सेक्टर-76 विश्वकर्मा मार्ग होकर सेक्टर-101 मेट्रो स्टेशन के नीचे से गंदा नाले के किनारे होकर एनएसइजेड से यूटर्न कर अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

ऐसी रहेगी पार्किंग व्यवस्था

माइक्रो आब्जर्वर, प्रशासनिक, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी के वाहनों की पार्किंग फूल मंडी गेट नंबर-1 से प्रवेश कर फूल मंडी परिसर के अंदर गेट नंबर-2 के पास खाली मैदान-पार्क में बनी पार्किंग वाहन खड़े कर सकेंगे।

मतगणना कर्मी व सहायक वाहनों की पार्किंग फूल मंडी गेट नंबर-1 से प्रवेश कर फूल मंडी परिसर में स्थित ब्लाक-दुकान संख्या सी-26 व बी-23 के सामने बने पक्के चबूतरे के मध्य बनी पार्किंग में वाहन खड़ें कर सकेंगे।

मतगणना प्रक्रिया-ड्यूटी में लगे कर्मियों के लिए दोपहिया पार्किंग की व्यवस्था फूल मंडी गेट नंबर-1 से प्रवेश कर गेट नंबर-2 के निकट ब्लाक-दुकान संख्या-150 से सी-139 फूल मंडी पुलिस चौकी तक कच्ची सड़क पर वाहन पार्क कर सकेंगे।

नोएडा से आने वाले प्रत्याशी-पार्टी एजेंट के वाहन डीएससी मार्ग पर बने पेट्रोल पंप के पास बने यूटर्न से लेकर होजरी कांप्लेक्स सेक्टर-83 तिराहा से याकूबपुर गांव सेक्टर-83 तिराहा से बाएं टर्न कर कैंट आरओ सेक्टर-88 चौक से साफकान कंपनी तिराहा से यूटर्न कर एनएमआरसी डिपो तिराहा से दाएं मुड़कर एसएमसी कंपनी तिराहा के निकट बनी पक्की पार्किंग में वाहन पार्क कर फूल मंडी गेट नंबर-5 से पैदल प्रवेश कर सकेंगे।

सूरजपुर और कुलेसरा की ओर से आने वाले प्रत्याशी-पार्टी एजेंट के वाहन डीएससी मार्ग पर कुलेसरा हरनंदी पुल से पुश्ता मार्ग होकर साफकान कंपनी से दाएं मुड़कर एनएमआरसी डिपो तिराहा से दाहिने मुड़कर एसएमसी कंपनी तिराहा के निकट बनी पक्की पार्किंग में वाहन पार्क कर फूल मंडी गेट नंबर-5 से पैदल प्रवेश कर सकेंगे।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे की ओर से आने वाले प्रत्याशी-पार्टी एजेंट के वाहन एल्डिको चौक सेक्टर-93 से व्हाइट टाइगर कंपनी तिराहा सेक्टर-83 मेट्रो लाइन के नीचे से दाएं मुड़कर कैंट आरओ सेक्टर-88 चौक से साफकान कंपनी से यूटर्न कर एनएमआरसी डिपो तिराहा से दाएं मुड़कर एसएमसी कंपनी तिराहा के निकट बनी पक्की पार्किंग में वाहन पार्क कर फूल मंडी गेट नंबर-5 से पैदल प्रवेश कर सकेंगे।

नाबालिग ड्राइवरों के खिलाफ दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का ऐक्शन, इस साल खूब काटे चालान

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस सड़क पर गाड़ी चलाने वाले नाबालिग ड्राइवरों के खिलाफ ऐक्शन ले रही है। पुलिस कई तरह से उन्हें रोकने का भी प्रयास कर रही है। अतिरिक्त कर्मियों के साथ गश्त भी बढ़ाई गई है। ऐसे लोगों के चालान भी काटे गए हैं।

नई दिल्ली: ट्रैफिक पुलिस की मानें तो दिल्ली की सड़कों पर गाड़ी चलाने वाले नाबालिगों की संख्या इस साल काफी बढ़ गई। हालांकि ट्रैफिक पुलिस भी उनके खिलाफ लगातार एक्शन ले रही है। पिछले साल की तुलना में इस साल दिल्ली की सड़कों पर नाबालिग ड्राइवरों की संख्या में करीब 573 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस साल साढ़े चार महीने में 101 नाबालिग ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनका चालान काटा है।

नाबालिग ड्राइवरों को रोकने के लिए क्या प्रयास हो रहे?

ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि दिल्ली में नाबालिग ड्राइवरों को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। यही कारण है कि उनके खिलाफ मुकदमों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे नाबालिग ड्राइवर पर निगरानी रखने के लिए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की गई है। गश्त भी बढ़ाए गए हैं। नाबालिग ड्राइवरों को अनुभव नहीं होने के कारण दुर्घटना की संख्या भी बढ़ती जा रही है। लेकिन इसे कम करने के लिए और उनकी सुरक्षा के लिए माता-पिता के साथ मिलकर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। जो माता-पिता अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने के लिए देते हैं, उनके खिलाफ भी चालान की संख्या में इस साल बढ़ोतरी हुई है।

चालान काटने में भी हुई बढ़ोतरी

आंकड़े बताते है कि इस साल एक जनवरी से लेकर 15 मई तक नाबालिग ड्राइविंग करने वाले 101 लड़को का चालान काटा गया है। पिछले साल इसी अवधि में केवल 15 चालान काटे गए थे। यानी इस साल नाबालिगों के खिलाफ चालान काटने में लगभग 573 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बढ़े चालान यह दिखाता है कि ट्रैफिक पुलिस गाड़ी चलाने वाले नाबालिगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। ट्रैफिक पुलिस की तरफ से अभिभावक से यह रिक्वेस्ट भी किया जा रहा है कि वह अपने नाबालिग बच्चों को गाड़ी चलाने से रोकें। इसके अलावा लोगों से भी अपील की गई है कि गाड़ी चलाने वाले नाबालिगों के बारे में ट्रैफिक पुलिस या स्थानीय पुलिस को बताएं।

दिल्ली में ताज एक्सप्रेस ट्रेन में लगी भीषण आग, यात्री कूदकर भागे...

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के सरिता विहार इलाके में एक पैसेंजर ट्रेन के कोच में भीषण आग लग गई। यह घटना चार बजकर 24 मिनट पर हुई। सूचना मिलते ही दमकल की छह गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं जिन्होंने आग बुझा दिया है। आग से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ट्रेन झांसी के लिए रवाना हुई थी।

नई दिल्ली। दिल्ली के सरिता विहार इलाके में एक पैसेंजर ट्रेन के कोच में भीषण आग लग गई। यह घटना चार बजकर 24 मिनट पर हुई। सूचना मिलते ही दमकल की छह गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। लगभग एक घंटे में आग पर काबू पाया गया। जले हुए कोचों को ट्रेन से अलग कर दिया। ट्रेन नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से झांसी रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुई थी।

तीन कोच में लगी आग

डीसीपी रेलवे ने बताया कि ट्रेन में आग लगने की सूचना पीसीआर को शाम 4.41 बजे मिली। ट्रेन दिल्ली-आगरा के बीच चलती है। ट्रेन में आग ओखला रेलवे स्टेशन से पहले लगी थी। आग लगने के बाद ट्रेन को रोक दिया गया। घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है, क्योंकि कोच में बैठे यात्री दूसरे डिब्बों में चले गए थे या फिर उतर गए। रेलवे की ओर से आगे की कार्रवाई की जा रही है।

डी3 कोच में सबसे पहले लगी आग

ट्रेन जब जब वह हरकेश नगर के पास पहुंची तो ट्रेन के डी3 कोच में अचानक आग लग गई। इस दौरान कोच के अंदर 15 से 20 यात्री बैठे हुए थे। जैसे यात्रियों को ट्रेन के अंदर आग दिखाई दी तो उन्होंने चैन पुलिंग कर ट्रेन रुकवाई। इसके बाद एक के बाद एक सभी यात्री नीचे उतर गए।

कुछ ही देर में आग डी4 और डी2 में पहुंच गई। सूचना मिलने के बाद दमकल की एकदम से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंची। करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने का कारण अभी तक डी3 कोच में बाथरूम के पास हुए शॉर्ट सर्किट को बताया जा रहा है। ट्रेन ओखला मंडी रेलवे स्टेशन भेजी जाएगी, जहां से ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा।

इनसाइड

प्रेग नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.
-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.
-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

-ऐसे बच्चे अधिक एग्रेसिव और हाइपरटेंशन के पेशेंट हो जाते हैं.

सुरेखा यादव

वंदे भारत की पहली महिला ड्राइवर से मिलिए, उनके नाम है कुछ और रिकार्ड

भारत की पहली रेल इंजन ड्राइवर सुरेखा यादव (Surekha Yadav Indian Train Driver) के सिर एक और सेहरा बंधा है। वह देश भी पहली ऐसी महिला ड्राइवर बनीं हैं, जिन्होंने प्रसिद्ध वंदे भारत ट्रेन को चलाया है। भारतीय रेल में ड्राइवर्स को अब लोको पायलट कहा जाने लगा है। वह सिर्फ भारत की ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया की पहली महिला रेल ड्राइवर हैं।

वंदे भारत 'सुरेखा' से नई शुरुआत!

महाराष्ट्र में सतारा की रहने वाली सुरेखा यादव ने साल 1988 में भारतीय रेल (Indian Railways) में बतौर असिस्टेंट ड्राइवर ज्वाइन किया था। उन्होंने 1986 में रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड से आए असिस्टेंट ड्राइवर के भर्ती के विज्ञापन पर आवेदन दिया और 1987 में इंटरव्यू फेस किया। उन्होंने कल्याण ट्रेनिंग स्कूल से ट्रेनिंग लेकर 1988 में रेगुलर असिस्टेंट ड्राइवर बन गईं। अब वह लोको पायलटों (Loco Pilot) की प्रशिक्षक भी हैं। सुरेखा यादव को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

वंदे भारत ट्रेन को मिली लेडी पायलट

वंदे भारत ट्रेन को मिली लेडी पायलट रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीटर पर कल एक फोटो शेयर किया। उस फोटो में सुरेखा यादव वंदे भारत के पायलट केबिन में बैठी दिख रही हैं। वैष्णव ने लिखा है ₹Vande Bharat - पावर्ड बाय नारी शक्ति। श्रीमती सुरेखा यादव, वंदे भारत एक्सप्रेस की पहली महिला लोको पायलट।₹ इस ट्वीट पर लोगों ने बधाइयों का तांता लगा दिया। इस ट्वीट को अब तक 10 हजार से भी ज्यादा लाइक मिल चुके हैं।

महाराष्ट्र की हैं सुरेखा

एशिया की पहली महिला रेल पायलट सुरेखा यादव का जन्म महाराष्ट्र के सतारा में 2 सितंबर 1965 को हुआ है। उनकी मां सोनाबाई और पिता रामचन्द्र भोंसले थे। उन्होंने राज्य के सतारा में स्थित सेंट पॉल कॉन्वेंट हाई स्कूल से अपनी शुरुआती शिक्षा हासिल की। आगे की पढ़ाई के लिए सुरेखा ने वोकेशनल ट्रेनिंग कोर्स किया और बाद में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया।

रेल ड्राइवर नहीं टीचर था सपना

पढ़ाई के दौरान सभी बच्चे सपना देखते हैं। सुरेखा ने भी आम लड़कियों की तरह ही अपने करियर और भविष्य को लेकर सपने देखा करती थीं। उन दिनों वह लोको ड्राइवर नहीं, बल्कि टीचर बनना चाहती थीं। उन्होंने टीचर बनने के लिए बी-एड की डिग्री प्राप्त करने की योजना बनाई थी। हालांकि बाद में उनकी राह बदली और वह रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड की परीक्षा में शामिल हो गईं। वहां उनका सेलेक्शन भी हो गया और वह रेल परिवार की सदस्य बन गईं।

कल्याण ट्रेनिंग स्कूल की बनीं विद्यार्थी

ट्रेनों को लेकर सुरेखा को बचपन से लगाव था। इसके बाद उन्होंने इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया। टेक्निकल बैकग्राउंड होने की वजह से उन्हें रेलवे की इंजन प्रणाली को समझने में आसानी हुई। रेलवे में सेलेक्शन होने के बाद सुरेखा ने रेलवे के कल्याण ट्रेनिंग स्कूल में असिस्टेंट ड्राइवर की ट्रेनिंग ली। ट्रेनिंग पूरा होने के बाद 1989 में सुरेखा यादव रेगुलर असिस्टेंट ड्राइवर का पदभार संभाल लिया।

इस मुकाम पर पहुचने से पहले खूब चलाई मालगाड़ी

इस मुकाम पर पहुंचने से पहले सुरेखा ने खूब गाड़ियां चलाईं। पहले उन्हें मालगाड़ी में और बाद में पैसेंजर ट्रेन में बतौर असिस्टेंट ड्राइवर लगाया गया। फिर शंटर बनीं और उसके बाद मालगाड़ी की ड्राइवर। देश की पहली मालगाड़ी की ड्राइवर बनने का भी उनके पास खिताब है। उसके बाद मोटरमैन के रूप में ईएमयू ट्रेन भी चलाया। उनके पास डेक्कन क्वीन जैसी प्रतिष्ठित गाड़ी चलाने का भी एक्स पीरिएंस है। अब उन्हें वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की जिम्मेदारी मिली है।

शंकर यादव से हुई शादी

सुरेखा ने शंकर यादव से शादी की है। शंकर महाराष्ट्र पुलिस में काम करते हैं। उनके दो बेटे हैं, अजितेश एवं अजिंक्य। उनके दोनों बच्चों ने मुंबई यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है।

मां बनने का सपना तोड़ देती है ये बीमारी, दर्द ऐसा कि उठने भी न दे, लाखों महिलाएं प्रभावित, डॉक्टर से जानें कारण और उपचार

एन्डोमेट्रिओसिस महिलाओं के गर्भाशय में होती है, जिसमें गर्भाशय के अंदर एंडोमेट्रियम टिश्यू बनता है. जब गर्भाशय के अंदर परत बनती है और बढ़ने पर एंडोमेट्रियम परत गर्भाशय के बाहर की ओर फैलने लगती है. इससे स्पर्म फैलोपियन ट्यूब तक नहीं जा पाता. नतीजा यह निकलता कि मां बनने का सपना अधूरा रह जाता है. आइए जानते हैं कि बीमारी के बारे में-

एन्डोमेट्रिओसिस : एक ऐसी बीमारी, जो मां बनने का सपना चकनाचूर कर सकती है. दर्द भी ऐसा कि चलना-फिरना तो दूर उठना-बैठना तक मुहाल कर दे. लोग जानकारी के अभाव में इसे पीरियड्स पेन या गर्भाशय गांठ कह देते हैं. इस बीमारी के प्रति लापरवाही का सीधा मतलब है सेहत के साथ खिलवाड़. अब आप बहुत ज्यादा दिमाग लगाएं, इससे पहले बता दूं कि इस बीमारी का नाम है एन्डोमेट्रिओसिस. जी हां, यह महिलाओं के गर्भाशय में होती है, जिसमें गर्भाशय के अंदर एंडोमेट्रियम टिश्यू बनता है. या यूं कहें कि, जिससे गर्भाशय के अंदर परत बनती है और बढ़ने पर एंडोमेट्रियम परत गर्भाशय के बाहर की ओर फैलने लगती है.

एंडोमेट्रियम परत अंडाशय, फैलोपियन ट्यूब या अन्य प्रजनन अंगों तक फैलती है. इस परत के बढ़ने से वजाइना के मुख पर अतिरिक्त कोशिकाओं का विकास भी हो जाता है. यह परत फेलोपियन ट्यूब तक फैलने से अंडाशय की क्षमता पर असर पड़ता है, जो इंफर्टिलिटी का कारण बन सकता है. क्योंकि, स्पर्म फैलोपियन ट्यूब तक नहीं जा पाता. अब सवाल है कि, आखिर फेलोपियन ट्यूब क्या है? क्यों होता है एन्डोमेट्रिओसिस? क्या हैं लक्षण और उपचार? इन सवालों के बारे में News18 को जानकारी दे रही हैं राजकीय मेडिकल कॉलेज कन्नौज की सीनियर गॉयनेकोलॉजिस्ट डॉ. अमृता साहा-

एन्डोमेट्रिओसिस होने का कारण

एन्डोमेट्रिओसिस क्यों होता है? इस पर डॉ. अमृता साहा बताती हैं कि यह बाहरी संक्रमण की वजह से नहीं, बल्कि शरीर की आंतरिक प्रणाली में कमी के चलते होती है. इस बीमारी के शिकंजे में आने वाली महिलाओं की दिनचर्या अनियमित हो जाती है, जिससे तनाव बढ़ता है. डॉक्टर बताती हैं कि, एन्डोमीट्रीओसिस की एक वजह खराब इम्युनिटी और किसी प्रकार के घाव या सर्जरी भी हो सकती है.

फेलोपियन ट्यूब क्या है?

एक्सपर्ट के मुताबिक, गर्भाशय के दोनों तरफ ओवरी होती है, और ओवरी गर्भाशय से फैलोपियन ट्यूब द्वारा जुड़ी होती है. जब एंडोमेट्रियम परत फैलोपियन ट्यूब तक आती है, तभी अंडाशय की क्षमता पर असर पड़ने लगता है. इससे महिलाओं को कंसीव करने में परेशानी आती है.

क्या हैं बीमारी के लक्षण?

मासिक धर्म के दौरान असनीय दर्द.
कई बार यह दर्द पूरे महीने तक बने रहना.
पीरियड्स में बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होना.
पीठ में दर्द रहना.
कंधों में दर्द रहना.
जांघों में तेज दर्द होना.
डायरिया, कब्ज.
यूरिन में खून आना.
शरीर के निचले हिस्से में जकड़न.
पीरियड्स से पहले मांसपेशियों में खिंचाव.

इस बीमारी से होने वाली परेशानियां?

महिलाओं को पेट दर्द रहना.
गर्भधारण न कर पाना.
हड्डियों में दर्द रहता है.
चेहरे पर झाइयां.
त्वचा का मुरझाना.
बाल झड़ना, सफेद होना.
भूलने लगना, इरिटेट होना.
हाई बीपी.
किडनी का कमज़ोर होना.
आंखों की रौशनी कम होना.
पीरियड्स में ओवरीज में खून के थक्के जमना.
पेल्विक एरिया व आसपास खून के धब्बे जमना.

गोशाला में यज्ञ का महत्व: बच्चों और युवाओं के लिए गोशाला का महत्व समझना

गोशाला का हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान है। गोशाला केवल गायों के संरक्षण का स्थल नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी जगह है जहां हम प्रकृति, पवित्रता और भारतीय संस्कृति के गहरे महत्व को समझ सकते हैं। गोशाला में यज्ञ का आयोजन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो न केवल आध्यात्मिक शुद्धि के लिए, बल्कि पर्यावरण और समाज के समग्र कल्याण के लिए भी आवश्यक है।

यज्ञ का महत्व:

आध्यात्मिक शुद्धि: यज्ञ एक पवित्र कर्म है, जिसमें हवन के माध्यम से अग्नि में आहुति दी जाती है। इससे वातावरण शुद्ध होता है और नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है।

पर्यावरण संरक्षण: यज्ञ में उपयोग किए जाने वाले हवन सामग्री से वातावरण में शुद्धि होती है। यह पर्यावरण को शुद्ध और स्वच्छ बनाता है, जिससे हमारी पृथ्वी को स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है।

सामाजिक समरसता: यज्ञ के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एकत्रित होते हैं। यह सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है और समाज में एकता और भाईचारे को मजबूत करता है।

गौसंरक्षण: यज्ञ के आयोजन से गोशाला में गायों के संरक्षण और संवर्धन को प्रोत्साहन मिलता है। इससे गायों की सेवा और पालन पोषण में सहायता मिलती है, जो भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है।

बच्चों और युवाओं के लिए गोशाला का महत्व:

संस्कार और शिक्षा: गोशाला में बच्चों और युवाओं को भारतीय संस्कृति और परंपराओं के बारे में सीखने का अवसर मिलता है। यह उन्हें प्राचीन विधियों और आधुनिक जीवन के बीच सामंजस्य स्थापित करने में मदद करता है।

प्रकृति के प्रति प्रेम: गोशाला में समय बिताने से बच्चों और युवाओं में प्रकृति और पशुओं के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता विकसित होती है। यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वास्थ्य और शारीरिक गतिविधि: गोशाला में शारीरिक श्रम और गतिविधियों में संलग्न होने से बच्चों और युवाओं का शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। यह उन्हें स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

समाज सेवा और जिम्मेदारी: गोशाला में सेवा कार्य करने से बच्चों और युवाओं में समाज सेवा और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। यह उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने में सहायता करता है।

गोशाला में यज्ञ का आयोजन और उसमें भागीदारी न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने का माध्यम है, बल्कि यह बच्चों और युवाओं को मूल्यवान जीवन शिक्षाएं भी प्रदान करता है। हमें अपने बच्चों और युवाओं को गोशाला ले जाने और वहां के महत्व को समझाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे वे न केवल भारतीय संस्कृति और परंपराओं के बारे में जानेंगे, बल्कि एक बेहतर समाज और पर्यावरण की दिशा में भी योगदान देंगे।

एमसीडी की 161वीं वर्षगांठ: हालात बद से बदतर,पर कभी म्यूनिसिपल पुलिस तक एमसीडी के थी अंडर

परिवहन विशेष। एसडी सेठी। दिल्ली नगर निगम अपनी 161वीं वर्षगांठ उत्सव मनाने जा रही है। 31 मई से 2 जून तक चलने वाले स्थापना दिवस उत्सव को चुनाव आचार संहिता के चलते जून महीने के तीसरे हफ्ते तक के लिए टाल दिया गया है। एमसीडी के महाउत्सव के आयोजन कार्यक्रम लिए अडिशनल कमिश्नर इंजीनियरिंग की अध्यक्षता में बाकायदा एक कमेटी का गठन किया गया है। 4 जून को लोकसभा के परिणाम घोषित होने के बाद ही अब इस कार्यक्रम पर काम शुरू हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि 1जून 1862 में अंग्रेजी हुकुमत में ही दिल्ली मिन्युसिपल कॉर्पोरेशन का गठन हुआ था। 1862 में नगर निगम की शुरूआत नगर पालिका के नाम से हुई थी। बता दें कि 1 जून 1863 में इसकी पहली बैठक कर्नल जी डब्ल्यू हैमिल्टन की अध्यक्षता में हुई थी। नगर पालिका के पहले कमिश्नर हेमिल्टन से लेकर अभ एमसीडी कमिश्नर ज्ञानेश भारती और दिल्ली की पहली महिला मेयर अरूणाचल आसफ अली से लेकर वर्तमान मेयर डॉक्टर शैली ऑबेरॉय तक आते-आते दिल्ली नगर निगम का स्वरूप काफी बदल गया है। अब दिल्ली और नई दिल्ली को दो अलग-अलग बॉडी में तब्दील कर दिया गया है।नगर पालिका की जगह नई दिल्ली नगर पालिका वजूद में है। बता दें कि अंग्रेजी हुकुमत में बाकायदा कानून व्यवस्था यानि दिल्ली पुलिस,फायर ब्रिगेड तक की जिम्मेदारी मिन्युसिपल कॉर्पोरेशन के अंडर थी। मिन्युसिपल पुलिस के नाम से तमाम कानून व्यवस्था पुलिस थाने सब नगर निगम के आधीन थे। वर्तमान में दिल्ली नगर का कार्य खासा विस्तार ले चुका है। इस वक्त एमसीडी को कुल 250 वार्डो में बांट दिया है। 1.50 लाख अधिकारियों और कर्मचारियों समेत लंबी चौडी फौज तैनात है। सालाना बजट की बात करें तो साल 1863-64 में नगर निगम का पहला बजट सिर्फ 98,276 रूपये था,जो वर्तमान मे कई गुना बढकर 16000 करोड रूपये हो गया है।दिल्ली पुलिस और फायर ब्रिगेड को एमसीडी से हटा दिया है। 1861 से 2010 तक नगर निगम का हेड क्वार्टर चांदनी चौंक में स्थित टा उन हॉल में था। वर्तमान में क्नॉट प्लेस स्थित सिविक सेंटर में मुख्यालय है। ये तो रही इसके इतिहास की बात। लेकिन जिस मकसद से इसका गठन हुआ था ,खासतौर पर नागरिकों की सेवा के लिए था। लेकिन राजनीति कारणों से इसका समय-समय पर परिवर्तन किया जाता रहा है।इससे काम की जगह सिर्फ राजनीति हो रही है। अनुभवहीनता के चलते अक्षमता ज्यादा हावी हो गई है। इसके प्रशासनिक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है।

दिल्ली में होने वाला है बड़ा इवेंट, वीवीआईपी होंगे शामिल; आईजीआई एयरपोर्ट के आसपास लगाए गए नए प्रतिबंध....

परिवहन विशेष न्यूज

राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के आसपास धारा 144 लागू कर दी गई है। इस दौरान हवाई जहाजों (फ्लाइट्स) के प्रवेश मार्ग में आने वाले फनल क्षेत्र में ड्रोन और लेजर बीम की गतिबिधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि 4 जून को मतगणना के बाद प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह होना है।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (IGI AIRPORT DELHI) के आसपास धारा 144 लागू कर दी गई है। इस दौरान हवाई जहाजों (फ्लाइट्स) के प्रवेश मार्ग में आने वाले फनल क्षेत्र में ड्रोन और लेजर बीम की गतिबिधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

दिल्ली पुलिस का कहना है कि 4 जून को मतगणना के बाद प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह होना है। इस कारण एयरपोर्ट पर वीवीआईपी विमानों की आवाजाही रहेगी। यह

आदेश एक जून से लागू हो गया और 30 जुलाई तक लागू रहेगा।

पायलटों को होती है परेशानी

न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, दिल्ली एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल पर पायलटों द्वारा सूचना दी गई, कि पायलटों को लेजर बीम से समस्या का सामना करना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी विमान को लैंडिंग करते समय होती है। यह एक तरह से उपद्रव है। इसके अलावा इससे यात्रियों, चालक दल और विमान की सुरक्षा के लिए भी खतरा रहता है।

एयरपोर्ट के आसपास होते हैं आयोजन

आईजीआई एयरपोर्ट के अधिकार क्षेत्र में और आसपास कई फार्म हाउस, बैंक्वेट हॉल, होटल, रेस्तरां बने हुए हैं। यहां विवाह, पार्टियों के साथ कई आयोजन होते हैं। जहां उत्सव में लेजर बीम, बहुत सारी लाइट और ड्रोन दिखते हैं, जो पायलट की आंखों में समस्या पैदा करती है।

ड्रोन के अलावा इन गतिविधियों पर प्रतिबंध

हवाई अड्डे के परिसर में ड्रोन पर प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही इनपुट मिला है कि आतंकवादियों ने ड्रोन, पैरा-ग्लाइडर, हैंग-ग्लाइडर, यूएवी, एयरो-मॉडल आदि सहित मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) का उपयोग करके आतंकी हमले करने की योजना बनाई है।

हालांकि, आम लोगों द्वारा ड्रोन, पैरा-ग्लाइडर, एयरो-मॉडल आदि सहित मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) का उपयोग प्रतिबंधित है, क्योंकि यह विमानन सुरक्षा के लिए बहुत खतरनाक हो सकता है और आतंकवादी हवाई हमलों के लिए भी सुरक्षा खतरा पैदा करता है।

पार्यावरण पाठशाला -पड़ोस का महत्व: समाज कल्याण के लिए एक सशक्त कदम

समाज में बेहतर पड़ोस का महत्व अनिवार्य रूप से एक स्वस्थ और समृद्ध वातावरण के निर्माण में सहायक होता है। एक अच्छा पड़ोस न केवल सामुदायिक संबंधों को मजबूत करता है बल्कि समाज कल्याण को भी बढ़ावा देता है। एक सशक्त और सहयोगी पड़ोस का निर्माण करना समय की आवश्यकता है, क्योंकि यह समाज के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

स्वस्थ वातावरण के लिए पड़ोस का महत्व

सामाजिक समर्थन:

अच्छे पड़ोस में रहने वाले लोग एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और मुश्किल समय में सहायता प्रदान करते हैं। जब हम अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध रखते हैं, तो यह एक भावनात्मक सुरक्षा का एहसास देता है और हमें समाज का एक सक्रिय हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करता है।

सुरक्षा:

एक अच्छा पड़ोस सुरक्षित और संरक्षित होता है। पड़ोसी एक-दूसरे की संपत्ति और परिवार की सुरक्षा का ख्याल रखते हैं। यह आपराधिक गतिविधियों को कम करने में मदद करता है और सभी के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करता है।

स्वास्थ्य और स्वच्छता:

सामूहिक प्रयासों से पड़ोस में स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिलती है। जब सभी पड़ोसी मिलकर अपने क्षेत्र को साफ-सुथरा रखते हैं, तो इससे संक्रामक बीमारियों का खतरा कम होता है और एक स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलता है।

सामुदायिक गतिविधियाँ:

पड़ोस में आयोजित सामुदायिक गतिविधियाँ और कार्यक्रम लोगों को एक साथ लाते हैं। इससे न केवल मनोरंजन होता है बल्कि सामाजिक एकजुटता भी बढ़ती है। ये गतिविधियाँ समाज के सभी वर्गों के बीच भाईचारे की भावना को मजबूत करती हैं।

पड़ोस का निर्माण: आवश्यक सहयोग

कई बार यह देखा गया है कि कुछ लोग केवल देखतें हैं और तमाम प्रयासों के बावजूद सहयोग नहीं करते। यह समय है जब हमें यह समझने की आवश्यकता है कि अच्छे पड़ोस का निर्माण सभी के योगदान से ही संभव है। किसी भी सकारात्मक पहल का समर्थन करना हमारे स्वयं के हित में है, क्योंकि इसका लाभ अंततः हमें ही मिलता है।

सक्रिय सहभागिता:

हर व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह समाज की भलाई के लिए सक्रिय रूप से भाग ले। चाहे वह स्वच्छता अभियान हो, सुरक्षा उपाय हों या सामुदायिक कार्यक्रम - हर छोटी-बड़ी गतिविधि में सहभागिता महत्वपूर्ण है।

सकारात्मक दृष्टिकोण:

सकारात्मक सोच और सहयोगी दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। यह जरूरी है कि हम अपने पड़ोसियों की मदद करें और उनके प्रयासों की सराहना करें।

सहायता की भावना:

जब हम अपने पड़ोसियों की समस्याओं को समझते हैं और उनकी मदद के लिए आगे आते हैं, तो यह पूरे समाज में एक सकारात्मक संदेश भेजता है। यह हमें एकजुट करता है और हमें एक मजबूत और सशक्त समाज का हिस्सा बनाता है।

अतः, हमें यह समझना चाहिए कि एक अच्छा पड़ोस केवल भौगोलिक निकटता का नाम नहीं है, बल्कि यह आपसी सहयोग, समझ और समर्थन पर आधारित है। समाज कल्याण के लिए अच्छे पड़ोस का निर्माण करना हम सभी की जिम्मेदारी है। अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखें, उनकी मदद करें और एक स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। यह न केवल हमारे लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

संस्कारशाला: सुबह जल्दी उठने के लाभ और हमारे दैनिक जीवन में इसका महत्व

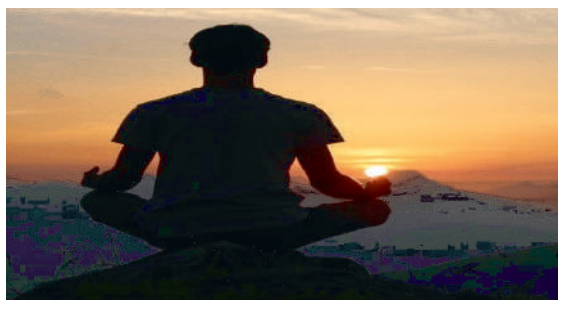

प्रियंका श्रीवास्तव

हमारे जीवन में एक अच्छी दिनचर्या का बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है, और इस दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है - सुबह जल्दी उठना। भारतीय संस्कृति और आयुर्वेद में भी सुबह जल्दी उठने को एक शुभ आदत माना गया है। आइए समझते हैं सुबह जल्दी उठने के लाभ और इसके महत्व को।

सुबह जल्दी उठने के लाभ

शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार:

सुबह जल्दी उठने से हमें ताज़ा और शुद्ध हवा में सांस लेने का अवसर मिलता है, जिससे हमारे फेफड़े स्वस्थ रहते हैं।

यह हमारी मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है, जिससे वजन नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

नियमित व्यायाम और योग के लिए समय मिलता है, जिससे हमारी शारीरिक फिटनेस बेहतर होती है।

मानसिक शांति और स्पष्टता:

सुबह का समय शांति और सुकून से भरा होता है, जो हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है।

यह समय मेडिटेशन और ध्यान के लिए सबसे उपयुक्त है, जिससे मानसिक स्पष्टता और एकाग्रता में सुधार होता है।

उत्पादकता में वृद्धि:

सुबह के शांत समय में काम करने से ध्यान केंद्रित रहता है और काम जल्दी और प्रभावी तरीके से पूरे होते हैं।

हमें पूरे दिन के कार्यों की योजना बनाने का समय मिलता है, जिससे दिनभर की उत्पादकता बढ़ती है।

प्राकृतिक दिनचर्या का पालन:

सुबह जल्दी उठने से हम सूर्य के साथ अपनी दिनचर्या को संतुलित कर पाते हैं, जिससे हमारी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है।

सूर्योदय के समय उठने से हमारे शरीर की जैविक घड़ी सही समय पर चलती है, जिससे स्वास्थ्य में सुधार होता है।

दैनिक जीवन में सुबह जल्दी उठने का महत्व

अनुशासन और समय प्रबंधन:

सुबह जल्दी उठना हमें अनुशासन सिखाता है, जिससे हम अपने समय का सही उपयोग कर पाते हैं।

इससे हम अपने दिनभर के कार्यों को सही समय पर और प्रभावी तरीके से पूरा कर सकते हैं।

सकारात्मक दृष्टिकोण:

सुबह जल्दी उठने से हमारे मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जो हमारे पूरे दिन के मूड को सकारात्मक बनाए रखता है।

यह आदत हमारे आत्मविश्वास और आत्म-समर्पण की भावना को भी बढ़ाती है।

सामाजिक और पारिवारिक जीवन:

सुबह जल्दी उठने से हमें अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने का अवसर मिलता है।

यह आदत हमें सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने में भी सक्षम बनाती है।

सुबह जल्दी उठना केवल एक आदत नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन की गुणवत्ता को सुधारने का एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल हमारा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि हमारे जीवन में अनुशासन, समय प्रबंधन और सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास भी होता है। इसलिए, हमें प्रयास करना चाहिए कि हम अपने जीवन में इस आदत को अपनाएं और अपने स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाएं।

संस्कारशाला के इस लेख के माध्यम से हम आशा करते हैं कि आप सुबह जल्दी उठने के महत्व को समझेंगे और इसे अपने जीवन में शामिल करेंगे।

दिल्ली में जल संकट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने यमुना नदी बोर्ड को दिया बैठक करने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने अपर यमुना नदी बोर्ड से दिल्ली में जल संकट के समाधान को लेकर सभी हितधारक राज्यों के साथ आपातकालीन बैठक बुलाने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पड़ोसी राज्य हरियाणा से अतिरिक्त पानी की मांग करने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई के लिए 6 जून की तारीख तय की है और बैठक की कार्यवाही तथा उठाए गए कदमों पर सुझाव मांगे हैं।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपर यमुना नदी बोर्ड से दिल्ली में जल संकट के समाधान को लेकर सभी हितधारक राज्यों के साथ आपातकालीन बैठक बुलाने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बोर्ड से कहा कि वह 5 जून को एक बैठक करे, जिसमें दिल्ली में जल संकट का सामाधान खोजा जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने पड़ोसी राज्य हरियाणा से अतिरिक्त पानी की मांग करने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई के लिए 6 जून की तारीख तय की है और बैठक की कार्यवाही तथा उठाए गए कदमों पर सुझाव मांगे हैं।

दिल्ली सरकार पहुंची थी सुप्रीम कोर्ट

बता दें, दिल्ली में बरकरार जल संकट को लेकर दिल्ली सरकार ने 31 मई को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। दिल्ली सरकार ने अदालत से मांग की थी कि वह हरियाणा को अधिक पानी सप्लाई करने के आदेश दें। दिल्ली की आप सरकार ने कोर्ट को बताया था कि शहर में पानी की मांग भीषण गर्मी के चलते बढ़ गई है और पड़ोसी राज्य हरियाणा को यह निर्देश दिया जाए कि वह एक महीने के लिए पानी की अतिरिक्त सप्लाई हमें कर दें।

जीडीए की तरफ से पीएम आवास योजना में फ्लैट दिलाने का झांसा देकर की ठगी, 2 आरोपितों पर केस दर्ज

गाजियाबाद में जीडीए से फ्लैट दिलाने के नाम पर दौलतपुरा निवासी बुजुर्ग परशुराम से तीन लोगों ने 70 हजार रुपये ठग लिए। बुजुर्ग को दो फ्लैट योजना में दिलाने का वादा किया था। उनसे रुपये लेकर रसीद थमा दी। शक होने पर पीड़ित ने जीडीए में जानकारी की तो पता चला कि उन्हें दी गई रसीद फर्जी है।

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री आवास योजना में जीडीए से फ्लैट दिलाने के नाम पर दौलतपुरा निवासी बुजुर्ग परशुराम से तीन लोगों ने 70 हजार रुपये ठग लिए। बुजुर्ग को दो फ्लैट योजना में दिलाने का वादा किया था। उनसे रुपये लेकर रसीद थमा दी। शक होने पर पीड़ित ने जीडीए में जानकारी की तो पता चला कि उन्हें दी गई रसीद फर्जी है। पीड़ित की पुत्री की शिकायत पर दो आरोपितों पर नामजद केस दर्ज किया गया है।

दौलतपुरा निवासी परशुराम की पुत्री बबीता ने बताया कि वह शालीमार गार्डन रहती हैं। उनके पिता को एक परिचित ने बताया कि जीडीए योजना में फ्लैट निकले हुए हैं। उन्हें झांसे में लेकर दो फ्लैट की पंजीकरण धनराशि 10 हजार रुपये ले ली।

रुपये लेकर थमा दी फर्जी रसीद

इसके के बाद उनके पास एक महिला ने फोन बताया कि वह जीडीए से बोल रही हैं और उनके दोनों फ्लैट योजना में निकल गए हैं। साढ़े छह लाख रुपये एक फ्लैट की कीमत है जिसमें से ढाई लाख रुपये की सब्सिडी सरकार देगी। उन्हें एक सप्ताह में दो किस्त 60-60 हजार रुपये की जमा करानी है। उन्हें झांसे में लेकर उनसे 60 हजार रुपये ले लिए और रसीद भी दी।

बबीता के मुताबिक उनके पति को रसीद देखकर शक हुआ तो उन्होंने रसीद ले जाकर जीडीए में दिखाई। जीडीए कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि रसीद फर्जी हैं। बबीता ने मामले की शिकायत कोतवाली में की। कोतवाली पुलिस ने हरीश शर्मा और अनूप शर्मा पर केस दर्ज किया है। बबीता के मुताबिक पुलिस ने एक आरोपित को उस समय दबोच लिया जब वह दूसरी किस्त लेने आया था।

बुलंदशहर कारागार आरक्षी को रात में शहर से किया अगवा, तमंचे के बल पर लूटा, तेल खत्म होने पर गाजियाबाद में छोड़ भागे बदमाश

बुलंदशहर कारागार में आरक्षी को तमंचे के बदल पर दो बदमाशों ने कार में शनिवार रात नौ बजे अगवा कर लूट लिया। उन्हें नोएडा दिल्ली घुमाते रहे। साहिबाबाद कोतवाली क्षेत्र में रविवार तड़के ईंधन खत्म होने पर कार में छोड़कर बदमाश सात हजार रुपये डेबिट कार्ड मोबाइल चेन पर्स ले गए और फरार हो गए। गाजियाबाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गाजियाबाद। बुलंदशहर कारागार में आरक्षी को तमंचे के बदल पर दो बदमाशों ने कार में शनिवार रात नौ बजे अगवा कर लूट लिया। उन्हें नोएडा दिल्ली घुमाते रहे। साहिबाबाद कोतवाली क्षेत्र में रविवार तड़के ईंधन खत्म होने पर कार में छोड़कर बदमाश सात हजार रुपये, डेबिट कार्ड, मोबाइल, चेन पर्स ले गए और फरार हो गए। शाम को तहरीर मिलने पर गाजियाबाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मूलरूप से गांव सोहरेजी थाना खास पार्क जिला देवरिया के दुर्गेश कुमार तिवारी बुलंदशहर कारागार में आरक्षी हैं। शनिवार रात करीब नौ बजे ड्यूटी समाप्त कर सरकारी आवास कारागार के पास गए थे। वहां से खाना खाने के लिए अपनी कार से निकले थे।

कारागार के पास ढाबा बंद होने पर बुलंदशहर सिटी के लिए चले। रास्ते में चंद्रावली कट से पहले मेन रोड पर कार खड़ी कर बहनोई को रुपये ट्रांसफर करने लगे। तभी दो व्यक्ति आए। तमंचे के बल पर उन्हें डाइवर सिटी से उतार दिया और पीछे की सीट में डाल दिया। दूसरा बदमाश कार चलाने लगा।

आरोप है कि बदमाश उन्हें रात भर नोएडा, दिल्ली लेकर घूमते रहे। फिर उन्हें डिक्की में बंद कर दिया। गाजियाबाद के साहिबाबाद क्षेत्र में पहुंचे। रेलवे स्टेशन कट के पास जब पहुंचे तो कार का तेल खत्म हो गया। बदमाश उन्हें कार में ही छोड़कर उनसे सात हजार पांच सौ रुपये, डेबिट कार्ड, आधार कार्ड, सोने की चेन और मोबाइल लूटकर फरार हो गए।

जैसे तैसे वह निकले और साहिबाबाद कोतवाली पुलिस को सुबह चार बजे सूचना दी। शाम को उन्होंने पुलिस को लिखित शिकायत की। देर रात उनकी शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की।

रास्ते में मोबाइल पर बात कर रहे थे बदमाश

पुलिस पूछताछ में पीड़ित ने बताया कि बदमाश लंबे और मोटे थे। वह रास्ते में कई जगह कासना का रास्ता भी लोगों से पूछ रहे थे। मोबाइल पर भी वह लगातार किसी से बात कर रहे थे। उन्होंने अपने चेहरे भी नहीं ढके थे। पुलिस सर्विलांस की मदद से उनकी तलाश कर रही है।

बुलंदशहर कारागार के आरक्षी को अगवा कर लूटने की सूचना प्राप्त हुई थी। शिकायत के आधार पर साहिबाबाद कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच के लिए टीमें लगी हैं। जल्द बदमाशों को पकड़ा जाएगा। -रजनीश कुमार उपाध्याय, सहायक पुलिस आयुक्त, साहिबाबाद।

गौतमबुद्ध नगर में 15 प्रत्याशियों की किस्मत से 4 जून को उठेगा पर्दा, शुरुआती एक घंटे में आएगा पहला रुझान

लोकसभा चुनाव में जनता जनार्दन के फैसले से पर्दा उठने में कुछ ही घंटे का समय शेष है। नोएडा विधानसभा के मतगणना के 36 व दादरी विधानसभा के मतों की गणना के लिए 34 चरण होंगे। जेवर के मतों की गणना 29 चरण में होगी। खुर्जा और सिकंद्राबाद विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना 31-31 चरण में होगी। सबसे पहले जेवर विधानसभा के मतों की गणना समाप्त होगी।

ग्रेटर नोएडा। लोकसभा चुनाव में जनता जनार्दन के फैसले से पर्दा उठने में कुछ ही घंटे का समय शेष है। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा के मतों की गणना नोएडा फेज दो स्थित फूल मंडी व बुलंदशहर में कड़ी सुरक्षा के बीच होगी। पुलिस प्रशासन ने मतगणना के लिए तैयारी पूरी कर ली हैं। मतों की गणना मंगलवार सुबह आठ बजे से शुरू होगी। पहला रुझान नौ बजे तक आने की संभावना है। गौतमबुद्ध नगर के तीन विधानसभा नोएडा, दादरी और जेवर व बुलंदशहर जिले की सिकंद्राबाद व खुर्जा विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना एक साथ होगी। पांच विधानसभा क्षेत्र में मतगणना का पहला चरण पूरा होने के बाद ही पहला रुझान जारी किया जाएगा।

26 अप्रैल को डाले गए थे वोट : गौतमबुद्ध नगर संसदीय क्षेत्र के लिए दूसरे चरण में 26 अप्रैल को वोट डाले गए थे। इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा, गठबंधन प्रत्याशी डा. महेंद्र नागर, बसपा उम्मीदवार राजेंद्र सिंह सोलंकी समेत कुल 15 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला मतदाताओं ने किया था। गौतमबुद्ध नगर सीट पर 53.66 प्रतिशत मतदान हुआ था। प्रत्याशियों के किस्मत का फैसले की घड़ी नजदीक आ पहुंची है। मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह आठ बजे से नोएडा फेज दो स्थित फूलमंडी में मतों की गुणना होगा। सिकंद्राबाद और खुर्जा विधानसभा क्षेत्र के मतों की गिनती बुलंदशहर जिले में होगी।

प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधि की मौजूदगी में खोली जाएगी सील

फूल मंडी में बने सील बंद स्ट्रांग रूम से ईवीएम को निकाला जाएगी। प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधि की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम की सील को खोला जाएगा। इसके बाद ही ईवीएम को मतगणना के लिए टेबल पर ले जाया जाएगा। इसके लिए अलग से कारिडोर बनाया जाएगा।

नोएडा-दादरी के लिए 21-21 टेबल व जेवर के लिए 14 पर होगी गणना

नोएडा व दादरी विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना के लिए 21-21 टेबल लगाए जाएंगे। जबकि जेवर में 14 टेबल लगाई जाएंगी। नोएडा विधानसभा के मतगणना के 36 व दादरी विधानसभा के मतों की गणना के लिए 34 चरण होंगे। जेवर के मतों की गणना 29 चरण में होगी। खुर्जा और सिकंद्राबाद विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना 31-31 चरण में होगी। सबसे पहले जेवर विधानसभा के मतों की गणना समाप्त होगी।

गाजियाबाद में मतगणना को लेकर सियासी दलों के एजेंट तैयार, एक-एक वोट पर रहेगी नजर

गाजियाबाद में लोकसभा चुनाव की मतगणना को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले की पांच विधानसभा सीट में गाजियाबाद साहिबाबाद मुरादनगर लोनी के अलावा हापुड़ जिले की धौलाना सीट है। धौलाना की गिनती हापुड़ में होगी। जबकि गाजियाबाद जिले की मोदीनगर विधानसभा सीट बागपत लोकसभा सीट में आती है जिसकी मतगणना गोविंदपुरम मंडी परिसर में होगी।

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव के सभी सात चरण के चुनाव संपन्न होने के बाद अब परिणाम की बारी है। चार जून को मतगणना होनी है, जिसमें दोपहर तक यह तय हो जाएगा कि हमारी लोकसभा सीट का नया सांसद कौन होगा और देश में किसकी सरकार बनेगी।

मतगणना को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। दूसरे चरण में गाजियाबाद में हुए मतदान के बाद से लेकर अब तक अन्य लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा रहे सियासी दलों के नेता वापस लौट आए हैं। सभी दलों के स्तर से अपने अपने प्रत्याशियों के लिए एजेंट बनाए गए हैं।

जिले की पांच विधानसभा सीट में गाजियाबाद, साहिबाबाद, मुरादनगर, लोनी के अलावा हापुड़ जिले की धौलाना सीट है। धौलाना की गिनती हापुड़ में होगी। जबकि गाजियाबाद जिले की मोदीनगर विधानसभा सीट बागपत लोकसभा सीट में आती है, जिसकी मतगणना गोविंदपुरम मंडी परिसर में होगी। प्रमुख पार्टी संगठन के नेताओं से मतगणना की तैयारियों को लेकर बात की।

साहिबाबाद विधानसभा की मतगणना दो हाल और 28 टेबल पर होगी। इसके लिए 28 एजेंट और एक-एक एआरओ स्तर के कार्यकर्ता की तैनाती की जा रही है। वहीं, बाकी विधानसभा पर 14-14 एजेंट और एक एआरओ स्तर के कार्यकर्ता तैनात किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जरूरी टिप्स दिए गए हैं। हम चुनाव जीत रहे हैं। किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही या गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी।

विनीत त्यागी, जिलाध्यक्ष कांग्रेस

मतगणना में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी, चूक या धांधली न होने पाए। इस पर बसपा की पूरी नजर रहेगी। स्ट्रांग रूम से सीधे टेबल पर ईवीएम ले जाई जाए। इस बात पर जोर रहेगा। मतगणना एजेंट बना दिए गए हैं। वह सभी तरह से सक्षम व प्रशिक्षित हैं। एक-एक ईवीएम में गिनती पर नजर रखने को कहा गया है।

-ओमबीर सिंह, महासचिव बसपा

कन्याकुमारी में साधना से निकले नये लक्ष्य और संकल्प

नरेंद्र मोदी

कन्याकुमारी का ये स्थान हमेशा से मेरे मन के अत्यंत करीब रहा है। कन्याकुमारी में विवेकानंद शिला स्मारक का निर्माण श्री एकनाथ रानडे जी ने करवाया था। एकनाथ जी के साथ मुझे काफी भ्रमण करने का मौका मिला था।

मेरे प्यारे देशवासियों,

लोकतन्त्र की जननी में लोकतन्त्र के सबसे बड़े महापर्व का एक पड़ाव आज 1 जून को पूरा हो रहा है। तीन दिन तक कन्याकुमारी में आध्यात्मिक यात्रा के बाद, मैं अभी दिल्ली जाने के लिए हवाई जहाज में आकर बैठा ही हूं...काशी और अनेक सीटों पर मतदान चल ही रहा है। कितने सारे अनुभव हैं, कितनी सारी अनुभूतियां हैं...मैं एक असीम ऊर्जा का प्रवाह स्वयं में महसूस कर रहा हूं।

वाकई, 24 के इस चुनाव में, कितने ही सुखद संयोग बने हैं। अमृतकाल के इस प्रथम लोकसभा चुनाव में मैंने प्रचार अभियान 1857 के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम की प्रेरणास्थली मेरठ से शुरू किया। माँ भारती की परिक्रमा करते हुए इस चुनाव की मेरी आखिरी सभा पंजाब के होशियारपुर में हुई। संत रविदास जी की तपोभूमि, हमारे गुरुओं की भूमि पंजाब में आखिरी सभा होने का सौभाग्य भी बहुत विशेष है। इसके बाद मुझे कन्याकुमारी में भारत माता के चरणों में बैठने का अवसर मिला। उन शुरुआती पलों में चुनाव का कोलाहल मन-मस्तिष्क में गूंज रहा था। रैलियों में, रोड शो में देखे हुए अनगिनत चेहरे मेरी आंखों के सामने आ रहे थे। माताओं-बहनों-बेटियों के असीम प्रेम का वो ज्वार, उनका आशीर्वाद...उनकी आंखों में मेरे लिए वो विश्वास, वो दुलार...मैं सब कुछ आत्मसात कर रहा था। मेरी आंखें नम हो रही थीं...मैं शून्यता में जा रहा था, साधना में प्रवेश कर रहा था।

कुछ ही क्षणों में राजनीतिक वाद विवाद, वार-पलटवार...आरोपों के स्वर और शब्द, वह सब अपने आप शून्य में समाते चले गए। मेरे मन में विरक्ति का भाव और तीव्र हो गया...मेरा मन बाह्य जगत से पूरी तरह अलिप्त हो गया।

इतने बड़े दायित्वों के बीच ऐसी साधना कठिन होती है, लेकिन कन्याकुमारी की भूमि और स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा ने इसे सहज बना दिया। मैं सांसद के तौर पर अपना चुनाव भी अपनी काशी के मतदाताओं के चरणों में छोड़कर यहाँ आया था।

मैं ईश्वर का भी आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे जन्म से ये संस्कार दिये। मैं ये भी सोच रहा था कि स्वामी विवेकानंद जी ने उस स्थान पर साधना के समय क्या अनुभव किया होगा! मेरी साधना का कुछ हिस्सा इसी तरह के विचार प्रवाह में बहा।

इस विरक्ति के बीच, शांति और नीरवता के बीच, मेरे मन में निरंतर भारत के उज्जवल भविष्य के लिए, भारत के लक्ष्यों के लिए निरंतर विचार उमड़ रहे थे। कन्याकुमारी के उगते हुए सूर्य ने मेरे विचारों को नई ऊंचाई दी, सागर की विशालता ने मेरे विचारों को विस्तार दिया और क्षितिज के विस्तार ने ब्रह्मांड की गहराई में समाई एकात्मकता, Oneness का निरंतर ऐहसास कराया। ऐसा लग रहा था जैसे दशकों पहले हिमालय की गोद में किए गए चिंतन और अनुभव पुनर्जीवित हो रहे हों।

साथियों,

कन्याकुमारी का ये स्थान हमेशा से मेरे मन के अत्यंत करीब रहा है। कन्याकुमारी में विवेकानंद शिला स्मारक का निर्माण श्री एकनाथ रानडे जी ने करवाया था। एकनाथ जी के साथ मुझे काफी भ्रमण करने का मौका मिला था। इस स्मारक के निर्माण के दौरान कन्याकुमारी में कुछ समय रहना, वहां आना-जाना, स्वभाविक रूप से होता था।

कश्मीर से कन्याकुमारी... ये हर देशवासी के अन्तर्मन में रची-बसी हमारी साझी पहचान हैं। ये वो शक्तिपीठ है जहां मां शक्ति ने कन्या कुमारी के रूप में अवतार लिया था। इस दक्षिणी छोर पर माँ शक्ति ने उन भगवान शिव के लिए तपस्या और प्रतीक्षा की जो भारत के सबसे उत्तरी छोर के हिमालय पर विराज रहे थे।

कन्याकुमारी संगमों के संगम की धरती है। हमारे देश की पवित्र नदियां अलग-अलग समुद्रों में जाकर मिलती हैं और यहां उन समुद्रों का संगम होता है। और यहाँ एक और महान संगम दिखता है- भारत का वैचारिक संगम!

यहां विवेकानंद शिला स्मारक के साथ ही संत तिरुवल्लूवर की विशाल प्रतिमा, गांधी मंडपम और कामराजर मणि मंडपम हैं। महान नायकों के विचारों की ये धाराएँ यहाँ राष्ट्र चिंतन का संगम बनाती हैं। इससे राष्ट्र निर्माण की महान प्रेरणाओं का उदय होता है। जो लोग भारत के राष्ट्र होने और देश की एकता पर संदेह करते हैं, उन्हें कन्याकुमारी की ये धरती एकता का अमिट संदेश देती है।

कन्याकुमारी में संत तिरुवल्लूवर की विशाल प्रतिमा, समंदर से मां भारती के विस्तार को देखती हुई प्रतीत होती है। उनकी रचना 'तिरुक्कुरल' तमिल साहित्य के रत्नों से जड़ित एक मुकुट के जैसी है। इसमें जीवन के हर पक्ष का वर्णन है, जो हमें स्वयं और राष्ट्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा देता है। ऐसी महान विभूति को श्रद्धांजलि अर्पित करना भी मेरा परम सौभाग्य रहा।

साथियों,

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था- Every Nation Has a Message To deliver, a mission to fulfil, a destiny to reach.

भारत हजारों वर्षों से इसी भाव के साथ सार्थक उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ता आया है। भारत हजारों वर्षों से विचारों के अनुसंधान का केंद्र रहा है। हमने जो अर्जित किया उसे कभी अपनी व्यक्तिगत पूंजी मानकर आर्थिक या भौतिक मापदण्डों पर नहीं तौला। इसीलिए, 'इदं न मम' यह भारत के चरित्र का सहज एवं स्वाभाविक हिस्सा हो गया है।

भारत के कल्याण से विश्व का कल्याण, भारत की प्रगति से विश्व की प्रगति, इसका एक बड़ा उदाहरण हमारी आज़ादी का आंदोलन भी है। 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ। उस समय दुनिया के कई देश गुलामी में थे। भारत की स्वतन्त्रता से उन देशों को भी प्रेरणा और बल मिला, उन्होंने आजादी प्राप्त की। अभी कोरोना के कठिन कालखंड का उदाहरण भी हमारे सामने है। जब गरीब और विकासशील देशों को लेकर आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं, लेकिन, भारत के सफल प्रयासों से तमाम देशों को हौसला भी मिला और सहयोग भी मिला।

आज भारत का गवर्नेंस मॉडल दुनिया के कई देशों के लिए एक उदाहरण बना है। सिर्फ 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर निकलना अभूतपूर्व है। प्रो-पीपल गुड गवर्नेंस, aspirational district, aspirational block जैसे अभिनव प्रयोग की आज विश्व में चर्चा हो रही है। गरीब के सशक्तिकरण से लेकर लास्ट माइल डिलीवरी तक, समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को प्राथमिकता देने के हमारे प्रयासों ने विश्व को प्रेरित किया है। भारत का डिजिटल इंडिया अभियान आज पूरे विश्व के लिए एक उदाहरण है कि हम कैसे टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल गरीबों को सशक्त करने में, पारदर्शिता लाने में, उनके अधिकार दिलाने में कर सकते हैं। भारत में सस्ता डेटा आज सूचना और सेवाओं तक गरीब की पहुँच सुनिश्चित करके सामाजिक समानता का माध्यम बन रहा है। पूरा विश्व technology के इस democratization को एक शोध दृष्टि से देख रहा है और बड़ी वैश्विक संस्थाएं कई देशों को हमारे मॉडल से सीखने की सलाह दे रही हैं।

आज भारत की प्रगति और भारत का उत्थान केवल भारत के लिए बड़ा अवसर नहीं है। ये पूरे विश्व में हमारे सभी सहयात्री देशों के लिए भी एक ऐतिहासिक अवसर है। G-20 की सफलता के बाद से विश्व भारत की इस भूमिका को और अधिक मुखर होकर स्वीकार कर रहा है। आज भारत को ग्लोबल साउथ की एक सशक्त और महत्वपूर्ण आवाज़ के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। भारत की ही पहल पर अफ्रीकन यूनियन G-20 ग्रुप का हिस्सा बना। ये सभी अफ्रीकन देशों के भविष्य का एक अहम मोड़ साबित हुआ है।

साथियों,

नए भारत का ये स्वरूप हमें गर्व और गौरव से भर देता है, लेकिन, साथ ही ये 140 करोड़ देशवासियों को उनके कर्तव्यों का अहसास भी करवाता है। अब एक भी पल गँवाए बिना हमें बड़े दायित्वों और बड़े लक्ष्यों की दिशा में कदम उठाने होंगे। हमें नए स्वप्न देखने हैं। अपने सपनों को अपना जीवन बनाना है, और उन सपनों को जीना शुरू करना है।

हमें भारत के विकास को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखना होगा, और इसके लिए ये जरूरी है कि हम भारत के अंतर्भूत सामर्थ्य को समझें। हमें भारत की शक्तियों को स्वीकार भी करना होगा, उन्हें पुष्ट भी करना होगा और विश्व हित में उनका सम्पूर्ण उपयोग भी करना होगा। आज की वैश्विक परिस्थितियों में युवा राष्ट्र के रूप में भारत का सामर्थ्य हमारे लिए एक ऐसा सुखद संयोग और सुअवसर है जहां से हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना है।

21वीं सदी की दुनिया आज भारत की ओर बहुत आशाओं से देख रही है। और वैश्विक परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए हमें कई बदलाव भी करने होंगे। हमें reform को लेकर हमारी पारंपरिक सोच को भी बदलना होगा। भारत reform को केवल आर्थिक बदलावों तक सीमित नहीं रख सकता है। हमें जीवन में हर क्षेत्र में reform की दिशा में आगे बढ़ना होगा। हमारे reform 2047 के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप भी होने चाहिए।

हमें ये भी समझना होगा कि किसी भी देश के लिए reform कभी एकाकी प्रक्रिया नहीं हो सकती। इसीलिए, मैंने देश के लिए reform, perform और transform का विज़न सामने रखा। reform का दायित्व नेतृत्व का होता है। उसके आधार पर हमारी ब्यूरोक्रेसी perform करती है और फिर जब जनता जनार्दन इससे जुड़ जाती है, तो transformation होते हुए देखते हैं।

भारत को विकसित भारत बनाने के लिए हमें श्रेष्ठता को मूल भाव बनाना होगा। हमें Speed, Scale, Scope और Standards, चारों दिशाओं में तेजी से काम करना होगा। हमें मैन्युफैक्चरिंग के साथ-साथ क्वालिटी पर जोर देना होगा, हमें zero defect- zero effect के मंत्र को आत्मसात करना होगा।

साथियों,

हमें हर पल इस बात पर गर्व होना चाहिए कि ईश्वर ने हमें भारत भूमि में जन्म दिया है। ईश्वर ने हमें भारत की सेवा और इसकी शिखर यात्रा में हमारी भूमिका निभाने के लिए चुना है।

हमें प्राचीन मूल्यों को आधुनिक स्वरूप में अपनाते हुये अपनी विरासत को आधुनिक ढंग से पुनर्परिभाषित करना होगा।

हमें एक राष्ट्र के रूप में पुरानी पड़ चुकी सोच और मान्यताओं का परिमार्जन भी करना होगा। हमें हमारे समाज को पेशेवर निराशावादियों के दबाव से, Professional Pessimists के दबाव से बाहर निकालना है। हमें याद रखना है, नकारात्मकता से मुक्ति, सफलता की सिद्धि तक पहुंचने के लिए पहली जड़ी-बूटी है। सकारात्मकता की गोद में ही सफलता पलती है।

भारत की अनंत और अमर शक्ति के प्रति मेरी आस्था, श्रद्धा और विश्वास भी दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। मैंने पिछले 10 वर्षों में भारत के इस सामर्थ्य को और ज्यादा बढ़ते देखा है और ज्यादा अनुभव किया है।

जिस तरह हमने 20वीं सदी के चौथे-पांचवे दशक को अपनी आज़ादी के लिए प्रयोग किया, उसी तरह 21वीं सदी के इन 25 वर्षों में हमें विकसित भारत की नींव रखनी है। स्वतंत्रता संग्राम के समय देशवासियों के सामने बलिदान का समय था। आज बलिदान का नहीं निरंतर योगदान का समय है।

स्वामी विवेकानंद ने 1897 में कहा था कि हमें अगले 50 वर्ष केवल और केवल राष्ट्र के लिए समर्पित करने होंगे। उनके इस आह्वान के ठीक 50 वर्ष बाद, 1947 में भारत आज़ाद हो गया।

आज हमारे पास वैसा ही स्वर्णिम अवसर है। हम अगले 25 वर्ष केवल और केवल राष्ट्र के लिए समर्पित करें। हमारे ये प्रयास आने वाली पीढ़ियों और आने वाली शताब्दियों के लिए नए भारत की सुदृढ़ नींव बनकर अमर रहेंगे। मैं देश की ऊर्जा को देखकर ये कह सकता हूँ कि लक्ष्य अब दूर नहीं है। आइए, तेज कदमों से चलें...मिलकर चलें, भारत को विकसित बनाएं।

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

टाटा की प्रीमियम हैचबैक अल्ट्रोज रेसर इस तारीख को होगी लॉन्च, कंपनी ने शुरू की बुकिंग

परिवहन विशेष न्यूज

देश की प्रमुख वाहन निर्माता Tata Motors की ओर से कुछ बेहतरीन एसयूवी और कारों को भारतीय बाजार में ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से जल्द ही नई कार के तौर पर Altroz Racer को लॉन्च किया जाएगा। कंपनी ने इसकी तारीख की घोषणा कर दी है। साथ ही इसके लिए बुकिंग भी शुरू कर दी है। इसे कब लॉन्च किया जाएगा। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की ओर से जल्द ही नई कार के तौर पर Altroz Racer को लॉन्च किया जाएगा। कंपनी की ओर से इस कार के लॉन्च की तारीख को सार्वजनिक कर दिया है। साथ ही इसके लिए बुकिंग को भी शुरू कर दिया है। कंपनी कब इस कार को लॉन्च करेगी। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

किस तारीख को लॉन्च होगी

Tata Motors की ओर से जानकारी दी गई है कि कंपनी अपनी प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली कार Atlroz के Racer वर्जन को सात जून को लॉन्च कर देगी। कंपनी ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर भी साझा की है। यह इस कार का स्पोर्टी वर्जन होगा। जिसमें ज्यादा फीचर्स और ताकतवर इंजन दिया जाएगा।

बुकिंग भी शुरू

टाटा ने लॉन्च से पहले ही इस कार के लिए बुकिंग को आधिकारिक तौर पर लेना शुरू कर दिया है। कंपनी की वेबसाइट और डीलरशिप के जरिए इसे बुक करवाया जा सकता है।

कैसे होंगे फीचर्स

कंपनी की ओर से इस कार में 16 इंच के अलॉय व्हील्स, लैदरेट सीट्स, 10 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, सात इंच इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस एंड्राइड ऑटो और एपल कार प्ले, एलईडी डीआरएल, रियर वाइपर और वॉशर, चार स्पीकर और चार ट्वविटर, प्रोजेक्टर हेडलैंप, फ्रंट फॉग लैंप, रियर डिफॉगर, फ्रंट आर्मरेस्ट, पावर विंडो, क्रूज कंट्रोल, रियर एसी वेंट, रेन सेंसिंग वाइपर, इलेक्ट्रिक सनरूफ, 360 डिग्री कैमरा, एक्सप्रेस कूल, फ्रंट वेंटिलेटिड सीट्स, एयर प्यूरीफायर और छह एयरबैग जैसे फीचर्स दिए जाएंगे। इनमें से कुछ फीचर्स की जानकारी हाल में साझा किए गए टीजर में भी मिल रही है।

लॉन्च से पहले लीक हुई जानकारी

Tata Altroz Racer के लॉन्च से पहले इसका ब्रॉशर सोशल मीडिया पर लीक हो गया था। लीक हुए ब्रॉशर में इस प्रीमियम हैचबैक के कितने वेरिएंट्स लाए जाएंगे। इनमें किस तरह के फीचर्स को दिया जा रहा है और इसमें कितना दमदार इंजन दिया गया है। इसकी जानकारी सामने आ गई थी।

कितने होंगे वेरिएंट

लीक हुई जानकारी के मुताबिक टाटा अल्ट्रोज रेसर को कुल तीन वेरिएंट में लाया जाएगा। जिसमें R1, R2 और R3 शामिल हैं। इसके बेस वेरिएंट के तौर पर R1 को ऑफर किया जाएगा जबकि मिड वेरिएंट के तौर पर R2 और टॉप वेरिएंट के तौर पर R3 को लाया जाएगा।

कितना दमदार होगा इंजन

कंपनी की ओर से अभी इसकी जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन लीक हुए ब्रॉशर के मुताबिक इसमें 1.2 लीटर का टर्बोचार्ज इंजन दिया जाएगा जिसके साथ छह स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन मिलेगा। इस इंजन से कार को 118 बीएचपी की पावर और 170 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा।

कितनी होगी कीमत

कंपनी की ओर से अभी इस बारे में सार्वजनिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि सात जून 2024 को लॉन्च के समय इसकी संभावित एक्स शोरूम कीमत 10 से 13 लाख रुपये के बीच हो सकती है।

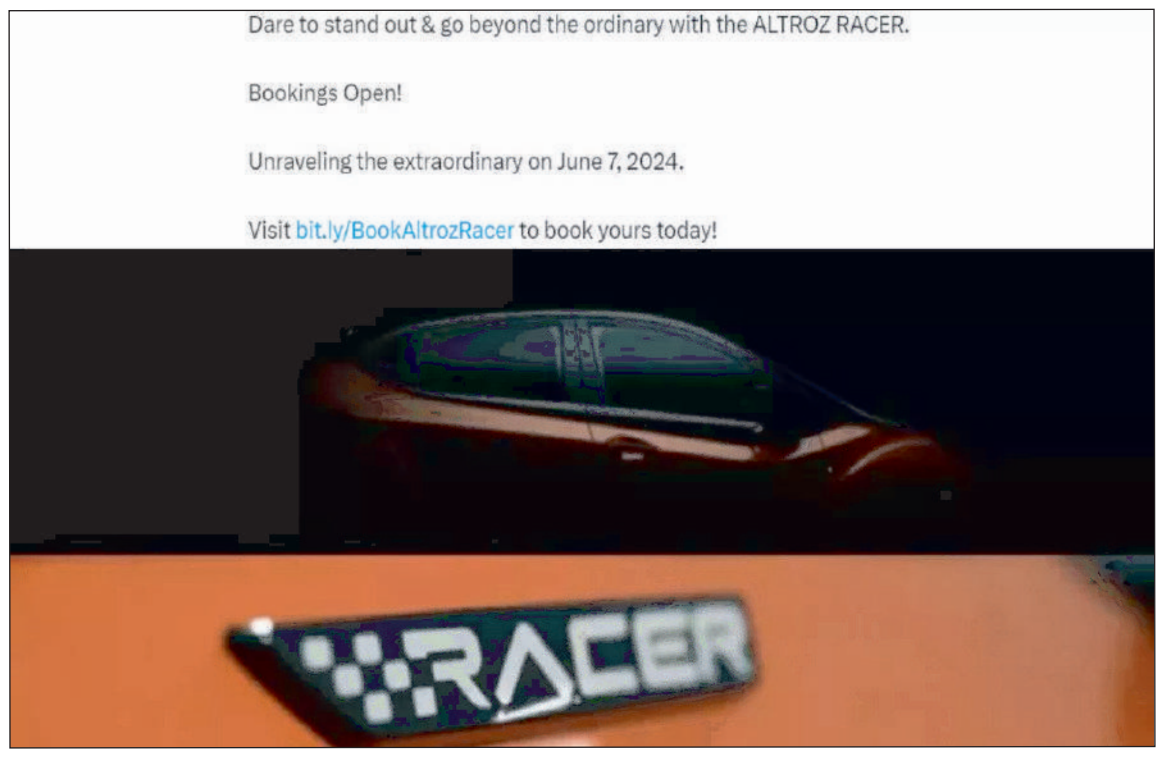

मर्सीडीज ने दमदार इंजन और फीचर्स के साथ लॉन्च की C 300 AMG Line, इनको भी मिला अपडेट

जर्मन लग जरी कार निर्माता Mercedes Benz की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन कारों और एसयूवी को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से हाल में ही नई Mercedes C 300 AMG Line को लॉन्च किया गया है। इस कार में कितना दमदार इंजन और फीचर्स दिए गए हैं। किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। Mercedes Benz की ओर से भारतीय बाजार में जून के पहले हफ्ते में C 300 AMG Line को लॉन्च किया गया है। कंपनी की ओर से इस कार को किस कीमत पर लाया गया है। इसमें किस तरह के फीचर्स दिए गए हैं और कितना दमदार इंजन इस कार में दिया जा रहा है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Mercedes C 300 AMG

मर्सिडीज की ओर से सी क्लास की सबसे महंगी कार C 300 AMG को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी की ओर से इसे सिर्फ पेट्रोल इंजन के साथ बाजार में लाया गया है। सी क्लास सेगमेंट में कंपनी की ओर से C200 और C200d को भी ऑफर किया जाता है।

कितना दमदार इंजन

Mercedes C 300 AMG Line में कंपनी की ओर से दो लीटर चार सिलेंडर का पेट्रोल इंजन दिया गया है। जिससे इसे 258 हॉर्स पावर और 400 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसमें इंटीग्रेटिड स्टार्टर जेनरेटर को भी दिया जाता है। जिससे अतिरिक्त 22 हॉर्स पावर और 205 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। कार में ओवरबूस्ट फंक्शन को भी दिया जाता है जो इसे 30 सेकेंड के लिए अतिरिक्त 27 हॉर्स पावर की ताकत देता है। इसमें नौ स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन को दिया जाता है। जिससे इसे सिर्फ छह सेकेंड में ही 0-100 किलोमीटर की स्पीड से चलाया जा सकता है। इसकी टॉप स्पीड 250 किलोमीटर प्रति घंटा तक है।

कैसे हैं फीचर्स

मर्सिडीज ने इस कार में हर मौसम के लिए उपयुक्त सीटों को दिया है। इसकी सीटों में हीटेड और वेंटिलेटिड दोनों तरह की सुविधा को दिया गया है। जिसे तीन लेवल तक सेट किया जा सकता है। इसके साथ ही इसमें 360 डिग्री कैमरा, छह टाइप-सी यूएसबी पोर्ट, एमबीयूएक्स मल्टीमीडिया सिस्टम, एडेप्टिव हाई बीम असिस्ट, डिजिटल की हैंडओवर, रिएलिटी नेविगेशन, ब्लाइंड स्पॉट असिस्ट, एयरबैग जैसे कई बेहतरीन फीचर्स को दिया गया है।

इन कारों में दिए नए फीचर्स

मर्सिडीज ने C 300 AMG Line को लॉन्च करने के साथ ही अपनी कुछ और कारों को भी अपडेट किया है। कंपनी की ओर से पूरी C सीरीज में कुछ बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया है। इसके अलावा जीएलसी में फ्रंट वेंटिलेटिड सीट्स और ज्यादा एयरबैग को दिया गया है, जिसके बाद इस एसयूवी में कुल एयरबैग की संख्या बढ़कर नौ हो गई है।

कितनी है कीमत

कंपनी की ओर से नई C 300 AMG Line की एक्स शोरूम कीमत 69 लाख रुपये रखी गई है। इसके अलावा कंपनी की C 200 की एक्स शोरूम कीमत 61.85 लाख रुपये और C 200d की एक्स शोरूम कीमत 62.85 लाख रुपये रखी गई है। देश में जीएलसी एसयूवी के 300 4 Matic की एक्स शोरूम कीमत 75.90 लाख रुपये और 220d 4Matic की एक्स शोरूम कीमत 76.90 लाख रुपये रखी गई है।

सिर्फ 27 महीनों में किआ की एमपीवी केरेंस ने बनाया रिकॉर्ड, हर महीने हुई 5555 से ज्यादा ग्राहकों ने खरीदा

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Kia की ओर से भारत में बजट एमपीवी के साथ ही कॉम्पैक्ट और मिड साइज सेगमेंट में एसयूवी को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से पेश की जाने वाली एक गाड़ी ने सिर्फ 27 महीनों में नया रिकॉर्ड बनाया है। किआ की ओर से आने वाली किस गाड़ी ने किस तरह का रिकॉर्ड बेहद कम समय में बनाया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। किआ मोटर्स की ओर से भारतीय बाजार में पेश की जाने वाली एक गाड़ी ने सिर्फ 27 महीनों के दौरान नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी की ओर से आने वाली किस गाड़ी ने किस तरह के रिकॉर्ड को बनाया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

27 महीने में बना नया रिकॉर्ड

किआ मोटर्स की ओर से बजट एमपीवी के तौर पर Kia Carens को ऑफर किया जाता है। कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक इस एमपीवी को भारतीय बाजार में काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। जिस कारण सिर्फ 27 महीनों के दौरान इसकी 1.5 लाख यूनिट्स की बिक्री हो चुकी है। आंकड़ों के मुताबिक हर महीने 5555 यूनिट्स की बिक्री देशभर में हो रही है।

किस वेरिएंट की कितनी मांग

कंपनी से मिली जानकारी के मुताबिक देश में 50 फीसदी से ज्यादा ग्राहक एमपीवी के टॉप और मिड वेरिएंट को खरीदना पसंद करते हैं। इसके अलावा कैरेंस को 57 फीसदी ग्राहक पेट्रोल इंजन के साथ खरीदते हैं। वहीं 43 फीसदी ग्राहक इसके डीजल वेरिएंट्स को खरीदना पसंद करते हैं। कैरेंस को खरीदने वाले 62 फीसदी ग्राहक इसके मैनुअल ट्रांसमिशन को चुनते हैं।

कंपनी के अधिकारियों ने कही यह बात

किआ इंडिया के चीफ सेल्स एंड बिजनेस ऑफिसर म्युंग-सिक सोहन ने कहा कि ₹कैरेंस भारतीय परिवारों के बीच एमपीवी के तौर पर पंसद की जा रही है। यह हमारी मासिक घरेलू बिक्री का लगभग 15 फीसदी हिस्सा है, और हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में इसकी लोकप्रियता और बढ़ेगी। हम अपने ग्राहकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले वाहन लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनके निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं ₹

कैसे हैं फीचर्स

किआ की ओर से बजट एमपीवी के तौर पर पेश की जाने वाली कैरेंस में कई बेहतरीन फीचर्स को दिया जाता है। कंपनी की ओर से इस एमपीवी में बोस के प्रीमियम साउंड सिस्टम के साथ आठ स्पीकर, सनरूफ, 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, फ्रंट वेंटिलेटिड सीट्स, एलईडी डीआरएल, एलईडी लाइट्स, 16 इंच अलॉय व्हील्स, छह एयरबैग, एबीएस, ईबीडी, ईएससी, एचएसी, वीएसएम, बीएएस, डीबीसी, टीपीएमएस, ऑल व्हील डिस्क ब्रेक, आइसोफिक्स चाइल्ड एंकरेज, ऑल सीट बेल्ट रिमाइंडर, स्पीड सेंसिंग डोर लॉक, 10.25 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, की-लैस एंट्री जैसे कई फीचर्स को दिया जाता है।

कितनी है कीमत

कंपनी की ओर से एमपीवी की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 10.52 लाख रुपये है। जबकि इसके टॉप वेरिएंट को 19.22 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

होंडा की कारों पर जून 2024 में मिल रहा हजारों रुपये का डिस्काउंट, जानें किस गाड़ी पर क्या है ऑफर

देश की प्रमुख कार और एसयूवी ऑफर करने वाली जापानी कंपनी Honda Cars की ओर से June 2024 में अपनी कार और एसयूवी पर हजारों रुपये के डिस-काउंट ऑफर दिए जा रहे हैं। कंपनी की ओर से किस कार और एसयूवी को खरीदने पर कितना कैश डिस-काउंट एक सचेंज बोनस और कॉर्पोरेट बोनस के तौर पर डिस-काउंट ऑफर किया जा रहा है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। अगर June 2024 में आप Honda Cars को खरीदने का मन बना रहे हैं, तो कंपनी की ओर से इस महीने में अपनी कारों और एसयूवी पर बेहतरीन डिस्काउंट ऑफर किए जा रहे हैं। कंपनी की ओर से किस कार और एसयूवी पर कितना डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

Honda City पर सबसे ज्यादा डिस-काउंट

होंडा की ओर से मिड साइज सेडान के तौर पर सिटी को ऑफर किया जाता है। June 2024 के दौरान इस कार पर कंपनी की ओर से सबसे ज्यादा डिस्काउंट ऑफर किए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक इस महीने सिटी को खरीदने पर 88 हजार रुपये तक का फायदा उठाया जा सकता है। इस कार के ZX वेरिएंट पर June 2024 में 25 हजार रुपये का कैश डिस्काउंट, अन्य वेरिएंट्स पर 20 हजार रुपये का डिस्काउंट, कॉर्पोरेट डिस्काउंट के तौर पर आठ हजार रुपये, कस्टमर लॉयल्टी बोनस के तौर पर चार हजार रुपये, ZX वेरिएंट एक्सचेंज करने पर 25 हजार रुपये, कार एक्सचेंज बोनस के तौर पर 20 हजार रुपये, स्पेशल कॉर्पोरेट डिस्काउंट के तौर पर 20 हजार रुपये का फायदा लिया जा सकता है। इस सेडान कार की पांचवीं पीढ़ी के एलीगेंट एडिशन पर स्पेशल एडिशन डिस्काउंट के तौर पर 36500 रुपये का अतिरिक्त ऑफर मिल रहा है। Honda City की एक्स शोरूम कीमत 12.08 लाख रुपये से हो जाती है। इस गाड़ी के e:Hev वेरिएंट को June 2024 में खरीदने पर कैश डिस्काउंट के तौर पर 65 हजार रुपये तक की बचत की जा सकती है। इसकी कीमत 20.55 लाख रुपये एक्स शोरूम से शुरू हो जाती है।

Honda Amaze पर भी हजारों रुपये की होगी बचत

होंडा की ओर से June 2024 में अपनी सबसे छोटी कार पर भी बेहतरीन ज्यादा डिस्काउंट ऑफर किए जा रहे हैं। कंपनी की ओर से होंडा अमेज पर अधिकतम 76 हजार रुपये के ऑफर इस महीने में मिल रहे हैं। जिसमें ई वेरिएंट पर 20 हजार रुपये का डिस्काउंट और अन्य वेरिएंट्स पर 30 हजार रुपये का कैश डिस्काउंट, स्पेशल कॉर्पोरेट डिस्काउंट के तौर पर 20 हजार रुपये, कॉर्पोरेट डिस्काउंट के तौर पर छह हजार रुपये, कस्टमर लॉयल्टी बोनस के तौर पर चार हजार रुपये, कार एक्सचेंज बोनस के तौर पर 10 हजार रुपये, होंडा कार एक्सचेंज करने पर छह हजार रुपये, एलीट एडिशन पर स्पेशल एडिशन बेनिफिट के तौर पर 30 हजार रुपये का फायदा लिया जा सकता है। Honda Amaze की एक्स शोरूम कीमत 7.93 लाख रुपये से हो जाती है।

फार्मा सेक्टर से बढ़ते निर्यात का परिदृश्य

डा. जयंती लाल भंडारी

यह बात ध्यान रखी जानी होगी कि मजबूत बुनियादी सिद्धांतों के बावजूद, भारतीय फार्मा-मेडटेक क्षेत्र सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई) और प्रमुख प्रारंभिक सामग्री (केएसएम) पर उच्च स्तर की आयात निर्भरता, उच्च स्तरीय स्कैनिंग और इमेजिंग उपकरणों में कम तकनीकी क्षमताओं जैसी चुनौतियों से ग्रस्त है'.

निश्चित रूप से भारत के फॉर्मा सेक्टर का बढ़ता निर्यात भारत का एक महत्वपूर्ण आर्थिक पक्ष है। देश से दवाओं का निर्यात 2023-24 में सालाना आधार पर 9.67 फीसदी बढक़र 27.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। जबकि देश के विभिन्न उत्पादों के कुल निर्यात में तीन प्रतिशत की गिरावट रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में अकेले अमेरिका को भारत से 7.83 अरब डॉलर की दवा का निर्यात किया गया है। वर्ष 2022-23 के दौरान निर्यात का यह आंकड़ा 25.4 अरब डॉलर रहा था। यह कोई छोटी बात नहीं है कि कोरोनाकाल में फॉर्मा और मेडिकल सेक्टर की कई वस्तुओं का भारत बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश बन गया है। भारत दुनिया में पीपीई किट, सर्जिकल मास्क और मेडिकल गॉगल्स का बड़े पैमाने पर निर्यात कर रहा है। अब उन देशों में भी भारत की सस्ती दवाइयों की मांग बढ़ रही है जिन्हें भारत की सस्ती दवा पर बहुत भरोसा नहीं था। भारत से फार्मास्युटिकल निर्यात दुनिया भर के कोई 200 देशों तक पहुंचता है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिम यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया के अत्यधिक विनियमित बाजार शामिल हैं। स्थिति यह है कि दवाई उद्योग की वैश्विक श्रृंखला के बाधित होने से इस समय भारत की फॉर्मा कंपनियों को विभिन्न दवाइयों की आपूर्ति के ऑर्डर लगातार मिल रहे हैं। गौरतलब है कि इस समय पूरी दुनिया में भारत अपनी दवाओं की कम लागत और उच्च गुणवत्ता के कारण विश्व की नई फार्मेसी के रूप में रेखांकित हो रहा है। भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग मात्रा के मामले में दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा और मूल्य के मामले में 14वां सबसे बड़ा उद्योग है तथा फार्मा सेक्टर वर्तमान में देश की जीडीपी में लगभग 1.72 प्रतिशत का योगदान दे रहा है।

इस समय भारत के दवा उद्योग में करीब 3000 दवा कंपनियों और 10500 विनिर्माण इकाइयों का विशाल नेटवर्क शामिल है। भारत को वैश्विक फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। देश में वैज्ञानिकों और इंजीनियरों का एक बड़ा समूह है जो फॉर्मा उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की क्षमता रखता है। ग्रीनफील्ड फार्मास्यूटिकल्स परियोजनाओं के लिए स्वचालित मार्ग से 100 फीसदी तक एफडीआई की अनुमति दी गई है। ब्राउनफील्ड फार्मास्यूटिकल्स परियोजनाओं के लिए स्वचालित मार्ग के माध्यम से 74 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति है और इससे अधिक सरकारी अनुमोदन के माध्यम से है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अफरा-तफरी है और चीन में निवेश करने वाली कई कंपनियां अन्य देशों में विकल्प की तलाश में हैं। ऐसे में चीन में कार्यरत कई कंपनियों सहित दुनिया के कई देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी भारत के दरवाजे पर दस्तक दे रही हैं। इन सब कारणों से भारत में फॉर्मा सेक्टर का आकार बढ़ रहा है। यदि हम भारत के फॉर्मा सेक्टर में तेजी से बढऩे के कारणों की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है और अपने किफायती टीकों और जेनेरिक दवाओं के लिए जाना जाता है। जेनेरिक दवाएं, ओवर दि काउंटर दवाएं, थोक दवाएं, टीके, अनुबंध अनुसंधान और विनिर्माण, बायोसिमिलर और बायोलॉजिक्स भारतीय फार्मा उद्योग के कुछ प्रमुख खंड हैं। चूंकि भारत में दवाई उत्पादन की लागत अमेरिका एवं पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम है, इसी कारण भारत घरेलू और वैश्विक बाजारों के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण, उच्च गुणवत्ता और कम लागत वाली दवाओं के निर्माण में एक प्रभावी भूमिका निभा रहा है। दुनिया की करीब 70 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग भारत में ही होती है।

जेनेरिक दवाओं की अफ्रीका की कुल मांग का 50 प्रतिशत, अमेरिका की मांग का 40 प्रतिशत तथा ब्रिटेन की कुल दवा मांग का 25 प्रतिशत हिस्सा भारत से ही जाता है। दुनिया की 60 फीसदी वैक्सीन का भी उत्पादन भारत में होता है। इसके अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनिवार्य टीकाकरण योजनाओं के लिए 70 प्रतिशत टीकों की आपूर्ति भारतीय दवाई निर्माता कंपनियों के द्वारा की जाती है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत में सबसे अधिक फार्मास्युटिकल विनिर्माण सुविधाएं हैं जो अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) के अनुपालन में हैं और यहां 500 एपीआई उत्पादक हैं जो दुनिया भर के एपीआई बाजार का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। केंद्र सरकार ने दवाई उत्पादन में आत्मनिर्भरता लाने, अधिक कीमतों वाली दवाइयों के स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहन देने और चीन से होने वाले दवाइयों के कच्चे माल-एपीआई (एक्टिव फार्मास्युटिकल्स इंग्रीडिएंट्स) के भारत में ही उत्पादन हेतु कोई ढाई वर्ष पहले शुरू की गई प्रोडक्शन लिंक इंसेंटिव्स (पीएलआई) स्कीम के लाभ मिलना शुरू हो गए हैं। 40 से अधिक कंपनियां पीएलआई स्कीम के तहत फार्मा के कच्चे माल का उत्पादन शुरू कर चुकी हैं या जल्द ही करने वाली हैं। ये कंपनियां अफ्रीका के कुछ देशों में फार्मा के कच्चे माल का निर्यात भी कर रही हैं। यदि हम फार्मा के साथ मेडिकल डिवाइस के निर्यात को देखें तो पाते हैं कि इसमें भी पिछले दो-तीन सालों से 12-15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि अभी मेडिकल डिवाइस का आयात अधिक हो रहा है और पिछले साल यह आयात 60000 करोड़ रुपए का रहा।

मेडिकल क्षेत्र से जुड़े डिस्पोजेबल आइटम, आर्थोपेडिक आइटम, सीरिंज, निडल, ग्लाव्सद जैसे कई आइटम में दुनिया के बाजार में भारत का बोलबाला है। सरकार ने मेडिकल डिवाइस के उत्पादन को बढ़ाने के लिए नीति की घोषणा की है और इस पर अमल के बाद मेडिकल डिवाइस का आयात कम होने के साथ निर्यात भी बढ़ेगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत में सस्ती दवाइयों और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा के लिए कई विकसित देशों के मरीज भी भारत का रुख कर रहे हैं। भारत में चिकित्सा सेवा की लागत पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम है और भारत दक्षिण पूर्व एशिया में सबसे सस्ता है। भारत को चिकित्सा पर्यटन के लिए दुनिया में लाभप्रद जगह माना जा रहा है। वैश्विक मेडिकल टूरिज्म के लिए दुनिया के पहले दस देशों में भारत का नाम रेखांकित हो रहा है। निश्चित रूप से देश के फॉर्मा सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए शोध एवं अनुसंधान विकास के लिए एक संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा। फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करने और इस क्षेत्र में नवाचार के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए भारत में फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास और नवाचार पर एक राष्ट्रीय नीति शुरू की गई है।

योजना का उद्देश्य भारतीय फार्मा-मेडटेक क्षेत्र को लागत आधारित से नवाचार आधारित विकास बदलना है। यह नीति नई दवाओं, टीकों, निदान और उपकरणों की खोज और विकास को बढ़ावा देने के लिए एक ब्लूप्रिंट के रूप में कार्य करती है। यह बात ध्यान रखी जानी होगी कि मजबूत बुनियादी सिद्धांतों के बावजूद, भारतीय फार्मा-मेडटेक क्षेत्र सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई) और प्रमुख प्रारंभिक सामग्री (केएसएम) पर उच्च स्तर की आयात निर्भरता, उच्च स्तरीय स्कैनिंग और इमेजिंग उपकरणों में कम तकनीकी क्षमताओं जैसी चुनौतियों से ग्रस्त है। बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर और अन्य उभरते उत्पादों के विकास की गति धीमी है। फार्मा और मेडटेक में हमारा अनुसंधान एवं विकास निवेश अन्य देशों से पीछे है। इस परिदृश्य को बदलना होगा। निश्चित रूप से फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में मजबूत अनुसंधान एवं विकास की आवश्यकता को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं कहा जा सकता।

संपादक की कलम से

एग्जिट पोल का 400 पार

प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीसरी बार इस पद पर आसीन हो सकते हैं। आम चुनाव, 2024 में भाजपा-एनडीए की शानदार और प्रचंड जीत भी लगभग तय है। वे 400 पार का लक्ष्य भी लांघ सकते हैं। इस तरह प्रधानमंत्री मोदी का चुनावी मंत्र भी सार्थक और साकार हो सकता है। दक्षिण भारत के केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश में 'भगवा गठबंधन' का खाता खुल सकता है। कर्नाटक की चुनावी उपलब्धि यथावत रहेगी, जबकि दक्षिण के ही तेलंगाना राज्य में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर सकती है। जो जनादेश अभूतपूर्व और आश्चर्यजनक हो सकते हैं, वे पश्चिम बंगाल और ओडिशा के हो सकते हैं। दोनों राज्यों में भाजपा ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और नवीन पटनायक के बीजू जनता दल को पराजित करती लग रही है। दोनों नेता अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री भी हैं। यकीनन ये ऐतिहासिक उपलब्धियां होंगी। यदि प्रधानमंत्री मोदी लगातार तीसरी बार पदासीन होते हैं, तो वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के कीर्तिमान की बराबरी कर लेंगे। भाजपा को भी 2014, 2019 के बाद लगातार तीसरी बार, अपने ही बूते, लोकसभा में बहुमत हासिल हो सकता है। बहरहाल अधिकृत जनादेश 4 जून को घोषित किया जाना है, लेकिन ये विभिन्न सर्वे एजेंसियों के एग्जिट पोल के चुनावी निष्कर्ष हैं। एग्जिट पोल सर्वे की वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसका पश्चिमी और यूरोपीय देशों में सामान्य चलन और महत्वपूर्ण प्रभाव है।

अलबत्ता भारत में एग्जिट पोल की प्रक्रिया अपेक्षाकृत नई और सवालिया है। कई एग्जिट पोल हमने नाकाम और गलत होते देखे हैं, लेकिन ऐसे बहुत से चुनावी सर्वेक्षण सटीक और सफल भी रहे हैं। 18वीं लोकसभा के लिए सात चरणों में जो मतदान कराए गए, ये चुनावी अनुमान और आकलन 'भावी जनादेश' के संकेत भर हैं। अधिकांश एग्जिट पोल का रुझान या जनादेश की सोच एक ही दिशा की ओर संकेत कर रहे हैं कि भाजपा को 320-330 सीटें हासिल हो सकती हैं। तीन-चार पोल में भाजपा-एनडीए की सीटें 400 पार जाती लग रही हैं। सबसे गौरतलब यह हो सकता है कि केरल, तमिलनाडु में उन्हें 22-27 फीसदी वोट मिल सकते हैं, नतीजतन दोनों राज्यों में 2-4 सीट प्रति के परिणाम मिल सकते हैं। आंध्रप्रदेश में भी खाता खुलना लगभग तय है। यदि ऐसा हुआ, तो भाजपा दक्षिण में अभिशप्त और शून्य पार्टी नहीं रहेगी, बल्कि उसकी स्वीकार्यता 'राष्ट्रीय' होगी। तेलंगाना में 4 सीट से 10-12 सीट तक का सफर तय करना भाजपा-एनडीए की एक दुर्लभ उपलब्धि है। वहां कांग्रेस सत्तारूढ़ है, लेकिन संसदीय जनादेश मोदी-भाजपा के पक्ष में लग रहा है। दक्षिण से भी महत्वपूर्ण जीत बंगाल और ओडिशा की साबित हो सकती है। बंगाल में 45 फीसदी से ज्यादा वोट भाजपा को मिल सकते हैं, जबकि तृणमूल को 40 फीसदी वोट से ही संतोष करना पड़ेगा। यह समीकरण 2019 के चुनाव से बिल्कुल उल्टा हो गया है।

भाजपा का बुनियादी वोट बैंक हिंदी पट्टी में रहा है, लेकिन उसके बिहार, उप्र, राजस्थान, हरियाणा सरीखे राज्यों में भाजपा-एनडीए की सीटें कम होने के अनुमान हैं, लेकिन गठबंधन विजेता ही रहेगा। गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, दिल्ली आदि राज्यों में भाजपा का हासिल 2019 की तरह शत-प्रतिशत रह सकता है। महाराष्ट्र के बारे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा था कि ब्रह्मा भी नहीं बता सकते कि महाराष्ट्र का जनादेश क्या रहेगा? यदि उसे ही आधार माना जाए, तो भाजपा-एनडीए की बीते कार्यकाल से लगभग 10 सीटें कम हो सकती हैं। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जनता दल-यू कमजोर कड़ी साबित हुआ है, लिहाजा 'इंडिया' 7-10 सीटें जीत सकता है। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी के चुनावी मंत्र के दावे कामयाब होते लगते हैं, लिहाजा देश का मूड स्पष्ट है, लेकिन विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' आखिर तक मुगालते में रहा कि उसके पक्ष में जनादेश कैसा रहेगा। अब एग्जिट पोल के निष्कर्ष सार्वजनिक होने के बाद ऐसी कुंठित टिप्पणियां सामने आ रही हैं कि भाजपा अडानी, अंबानी के स्वामित्व वाले 66 चैनलों के सहारे मनोवैज्ञानिक युद्ध लड़ रही है।

ज्ञान

कुछ गर्मी, कुछ उदासीनता

डंके, डुबकियां और डर के साथ अंततः हिमाचल से लोकसभा और विधानसभा के छह उपचुनाव संपन्न हो गए। कुछ गर्मी, कुछ उदासीनता और कुछ विभ्रम के कारण पांच साल पहले का उत्साह हिमाचल में नहीं लौटा, फिर भी 70 प्रतिशत के पार पहुंचने के मार्क पर यह राज्य नागरिकों का जागरूक समूह तो बनाता है ही। अब देखना यह है कि चुनावों में धन बल और जन बल के मायने हैं क्या। इन चुनावों में राजनीति का रायता जितना फैल सकता था, फैलाया गया। जाहिर है चुनाव प्रचार कहीं चुभा, तो कहीं पहाड़ी परंपराओं की तौहीन कर गया, फिर भी कुछ उम्मीदवारों ने विद्वेष की दीवारें नहीं फांदी। यह चुनाव चौके और छक्कों के बीच भाजपा बनाम कांग्रेस हुआ। कांग्रेस ने कांगड़ा संसदीय क्षेत्र से आनंद शर्मा को उतार कर अपनी प्रयोगधर्मिता से सभी को चकित किया, तो इस फांस की योग्यता में चुनाव की अहमियत बढ़ गई। भले ही कंगना रनौत को लेकर मंडी का मैदान चर्चाओं, विवादों और अलग तरह की बेबाकी से भर गया, लेकिन देश के मीडिया ने इस संसदीय क्षेत्र में ही अपने झंडे गाड़े। हिमाचल का शाही मुकाबला हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में हुआ और जहां भाजपा के अनुराग ठाकुर ने इतिहास की आंख से मुकाबला किया। हालांकि राजनीतिक इतिहास इस बार हिमाचल के पूरे परिदृश्य की टोह ले रहा है और इसीलिए संसदीय चुनावों पर छह उपचुनाव भारी पड़े। ये चुनाव सत्ता की छावनी में विपक्ष की दीवानगी में लड़े गए।

भाजपा ने अपने कॉडर की परवाह न करते हुए तमाम बागी विधायकों को अपनी छाती सौंपी, लेकिन टिकट आबंटन पर आम कार्यकर्ता की छाती पर मूंग नहीं दले, यह परिणाम ही बताएंगे। दरअसल सियासत इन उपचुनावों में पूरी तरह नंगी हुई है और हमाम में देखने के लिए जनता को तर्क-कुतर्क बांटे गए। अब देखना यह है कि जनता ने उपचुनावों के हमाम में किसे नंगा देखा या इस नंगई को कबूल करके अपना मत दिया। जो भी हो, उपचुनाव की भाषा में हुए खुलासे चैन से जीने नहीं देंगे, भले ही परिणाम किसी के पक्ष में निकले या विरोध में निकले। यहां जनता ने सिर्फ कुछ नाटक देखे। राज्यसभा चुनाव से उपचुनाव तक के सफर में हिमाचल की आशाओं-उम्मीदों की पलकों ने जो देखा, वह बुरे वक्त की निशानी तो है ही। पलड़ा एक का झुकेगा, तो दूसरे पक्ष पर प्रहार होंगे और अगर विपरीत परिस्थितियों में जनता ने किसी एक को निपटा दिया, तो अहंकार के खिलौने और बिकेंगे। कहने को लांछनों से भरा रहा यह चुनाव, नागरिक मन में प्रायश्चित भाव के हथौड़े चलाता रहा, इसलिए अनमने से मतदान में इबारतों की कई उलझनें और भविष्य के संताप नत्थी हैं।

उम्मीदवारों की फेहरिस्त में हिमाचली समाज का चेहरा संवर जाएगा या चुनाव प्रचार की विकृतियां अब साथ चलनी शुरू हो जाएंगी। जो भी हो, ये चुनाव सियासत के सिर पर ठीकरे फोडऩे की हिम्मत तो रखते हैं ही और अगर परिणाम स्पष्टता से संकेत दे पाए, तो हानि दोनों पक्षों को उठानी पड़ेगी। क्या फिफ्टी-फिफ्टी के फलक पर चुनाव प्रचार पहुंचा या श्रद्धेय मन से किसी ने ओपीएस को पूजा तो किसी ने मोदी की साधना में लीन होकर भक्ति की। मतदाता का मत लेने के सार्थक प्रयास से पूर्व उसके मन-मस्तिष्क को लूटने का प्रयास चुनावी अभियान करता रहा है। देखना अब यह है कि हिमाचली मतदाता कितनी स्थिरता, संतुलन और वैचारिक दृष्टि से चुनाव के परिणामों में अपना संदेश देता है।

दबाव में पारिस्थितिकी, जीवों की खुली हत्याएं

हर वर्ष गर्मियों में, हमने जंगल की आग से वनस्पतियों और जीवों की निर्दयतापूर्वक हत्या देखी, लेकिन सरकार, वन विभाग से अब तक कोई निवारक उपाय सामने नहीं आया, यहां तक कि तथाकथित सामाजिक संगठन, न्यायपालिका भी वन्यजीव, वनस्पतियों और जीवों की इस खुली हत्या की ओर और तथाकथित नागरिक समाज में से कोई भी इस हत्या के लिए चिंतित नहीं है। यूएनडीपी एसडीजी-2030 सम्मेलन, संगोष्ठी और कार्यशालाओं के किसी भी योद्धा ने जो स्थायी जीवन उपाय पर लंबे समय तक व्याख्यान देते हैं, उन्होंने कभी भी ग्रीष्म मौसम में इस जंगल की आग पर चिंता नहीं दिखाई। इसलिए समग्रता में किसे दोषी ठहराया जाए, हम समाज के रूप में पूरी तरह से विफल रहे हैं। हर गर्मियों में, पृथ्वी आग में सांस लेती है। जंगल, जो कभी हरे-भरे थे, आग की लपटों में घिर जाते हैं, वन्यजीव नष्ट हो जाते हैं, निवास स्थान जमीन पर धराशायी हो जाते हैं और फिर भी, वार्षिक विनाश के बावजूद, निवारक उपाय मायावी रहते हैं। यह आवर्ती तबाही न केवल शासन और सामाजिक प्रणालियों की विफलता को उजागर करती है, बल्कि एक स्थायी भविष्य के पोषण में प्राचीन ज्ञान के महत्व पर भी प्रकाश डालती है। साल दर साल, तमाशा गंभीर भविष्यवाणी के साथ सामने आता है। दुनिया भर के जंगल नरक बन जाते हैं। अपने रास्ते में सब कुछ खा जाते हैं। वन अधिकारियों के अनुसारए 99 फीसदी जंगल की आग मानव निर्मित होती है। चाहे लापरवाही से चिंगारी हो, जानबूझकर आगजनी की गई हो या पुरानी कृषि पद्धतियों से हुई हो, परिणाम गंभीर हैं। घरों, फसलों और कीमती पारिस्थितिकी तंत्रों को आग निगल डालती है। जंगल की आग के जले हुए अवशेषों से जहरीली गैसें और घने धुएं हवा को चोक कर देते हैं, जिससे मनुष्यों और वन्यजीवों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं।

भूस्खलन और मिट्टी का कटाव पर्यावरणीय क्षरण को बढ़ाता है। पारिस्थितिकी तंत्र का नाजुक संतुलन बाधित होता है, जिससे अपूरणीय क्षति होती है। जंगल की आग से हुई तबाही के बढ़ते सबूतों के बावजूद, निवारक उपाय अपर्याप्त हैं। प्रतिपूरक वनीकरण के प्रयास, जिन्हें एक समाधान के रूप में बताया जाता है, अक्सर व्यर्थ व्यय और वृक्षारोपण की कम उत्तरजीविता दर में समाप्त होते हैं। बुलंद लक्ष्यों और जमीनी वास्तविकताओं के बीच का अलगाव समस्या के मूल कारणों को संबोधित करने में एक प्रणालीगत विफलता को उजागर करता है। हिमाचल प्रदेश में इस साल 1 अप्रैल 2024 से 1 जून 2024 तक जंगल में आग लगने की 1259 घटनाएं दर्ज की गईं। 12122 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र प्रभावित हुआ, जिसमें हजारों हेक्टेयर नए वृक्षारोपण शामिल थे। सामाजिक कार्यकर्ता सुबोध शर्मा का कहना है कि शुष्क मौसम और मानवीय लापरवाही या जानबूझकर जंगल में विनाश आग लगने का कारण हो सकता है। राज्य वन विभाग ने राज्य में चीड़ के लंबे पत्ते वाले पेड़ों वाले 26 वन प्रभागों को जंगल की आग के प्रति अत्यधिक संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया है। भारत सरकार के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की 2013 की रिपोर्ट सहित प्रतिपूरक वनीकरण में वृक्षारोपण के व्यर्थ व्यय और कम जीवित रहने की दर के कई प्रलेखित उदाहरण, हमें यह पूछने की जरूरत है कि साइट का लक्ष्य या वांछित भविष्य की स्थिति क्या है। क्या वाणिज्यिक या निर्वाह-उन्मुख वन उत्पादों का उत्पादन करने या प्राकृतिक वनस्पति को बहाल करने की इच्छा है? क्या इसका उद्देश्य हाइड्रोलॉजिकल कार्यों में सुधार करना या वन्यजीव आवास प्रदान करना है?

एक बार लक्ष्य की पहचान हो जाने के बाद, वन प्रबंधकों को इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सबसे कम लागत वाले तरीके की पहचान करनी चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता और हाटी ट्राइबल मूवमेंट यूथ आइकन प्रदीप सिंगटा ने बताया कि उन्होंने पहले इस पैमाने पर जंगल की आग नहीं देखी थी। आग ने सैकड़ों पेड़ों और हरियाली को अपनी चपेट में ले लिया। सैकड़ों बीघा से अधिक वन भूमि आग से प्रभावित हो चुकी है। हालांकि, जमीन पर, विनाश काफी दिखाई दे रहा है। उन्हें आग लगने का कारण मानव छेड़छाड़ का संदेह है। हालांकि चूंकि आग ऊंची पहाड़ी ढलानों पर लगी है, जहां इनसानों की बसावट नहीं है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पा रहा है कि आग की घटना दुर्घटनावश हुई या जानबूझकर की गई थी। लेकिन एक संभावित कारण क्षेत्र में लंबे समय तक शुष्क अवधि है, जिसने जंगल की नमी के स्तर को बड़े पैमाने पर कम कर दिया, जिससे उन्हें तीव्र आग लगने का खतरा बढ़ गया है। हिमाचल प्रदेश में वन क्षेत्र, राज्य के भौगोलिक क्षेत्र का 68.16 प्रतिशत कवर करता है और जैव विविधता में समृद्ध है, जो नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिमाचल प्रदेश के वन संरक्षण और अग्नि नियंत्रण प्रभाग द्वारा 01.06. 2024 को साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार राज्य ने इस साल 1 अप्रैल 2024 से 01 जून 2024 तक 1259 आग की घटनाएं दर्ज कीं, जो सामान्य जंगल की आग का मौसम है, जिसमें प्रति दिन औसतन 22 आग लगती हैं। इस अवधि में धर्मशाला डिवीजन 331 घटनाओं के साथ चार्ट में सबसे ऊपर है। इसके बाद हमीरपुर (187), मंडी (174), नाहन (131), बिलासपुर (123), सोलन (122), शिमला (90), चंबा (64), रामपुर (21) हैं। तुलनात्मक रूप से पिछले वर्षों में पूरे वर्ष में आग की घटनाएं राज्य में अब तक दर्ज की गई घटनाओं की तुलना में ज़्यादा रही हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में आग की 1259, 2023-24 में आग लगने की 680 घटनाएं, 2022-23 में आग लगने की 860 घटनाएं, 2021-22 में 33 घटनाएं देखी गईं। हिमाचल राज्य में चीड़ का वन, जो 1259 किलोमीटर में फैला हुआ है और हिमाचल राज्य के कुल वन क्षेत्र का 3-4 प्रतिशत है, आग की घटनाओं के लिए अधिक प्रवण है। विभाग ने जंगल की आग के संवेदनशीलता स्तर के अनुसार 2026 बीट की पहचान की है जिनमें से 339 बीट अत्यधिक संवेदनशील हैं। ज्यादातर मामलों में जंगल की आग मानवीय लापरवाही का परिणाम है।

शव संवाद-46

बुद्धिजीवी से पहली बार उसी की खुली किताब उलझ गई। खुली किताब को अपने अस्तित्व की चिंता थी। दरअसल उसे बुद्धिजीवी से यह भय हो गया था कि उसकी वजह से वह पन्ना दर पन्ना मर रही है, जबकि उसके मुकाबले न किसी नेता की किताब मर रही है और न ही सरकारें हजारों बंद किताबों को मार पा रही हैं। खुली किताब अपने मुकद्दर को कोस रही है कि न जाने क्यों उसने बुद्धिजीवी को अपना स्वामी माना। तब उसने सोचा था कि कोई होगा जो उसे खुली किताब के रूप में ब्रांड बनाएगा और दुनिया देखेगी कि इस तरह, 'मैं कितनी भाग्यशाली हूं। खुली किताब के मायने तब बढ़ जाते हैं, जब कोई मशहूर, प्रभावशाली, मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री उसका नाम ले। यहां तो बुद्धिजीवी अगर बंद किताब को भी अपना नाम दे दे, तो भी सभी मान लेंगे कि भीतर होंगे कोरे ही कागज।' खुली किताब के मन की बात सुन कर कई बंद किताबें खुलने की कोशिश करने लगीं। वे खुद को शक्तिशाली, प्रतिष्ठित व अमर समझने लगीं, बल्कि उन्हें अपने-अपने खानदान पर भरोसा है। उनके रचयिता बड़े-बड़े नेता, उद्योगपति, व्यापारी, नौकरशाही, अफसर और अब तो न्यायाधीश भी होने लगे हैं, बल्कि बंद किताबों के कारण अब लोग सीधे राज्यसभा या विधानसभाओं में पहुंचने लगे हैं।

बुद्धिजीवी की खुली किताब अब खुद को नालायक, कमजोर और अप्रासंगिक मानने लगी है। पहले अपनी सफाई, लिखाई और कमाई पर भरोसा था, क्योंकि तब बुद्धिजीवी के पास बताने, कमाने और खाने को बहुत कम था, लेकिन अब यह भी दुनिया की शोहरत में खुद को आजमाने लगा है। इसे भी अब घर चलाने और जिंदगी का खर्च उठाने के लिए ज्यादा से ज्यादा पन्ने भरने पड़ते हैं। वह लेखक या मीडिया कर्मी बनकर खुली किताब को जाया ही नहीं कर रहा, बल्कि बंद किताबों से प्रेरित होकर कुछ पन्ने गुम भी कर रहा है। दफ्तरों की फाइलों को पढक़र और लोकतंत्र के उसूलों में सडक़र बुद्धिजीवी की खुली किताब में भी सीलन भर रही है। कितनी तकलीफ होती है खुली किताब को जब बुद्धिजीवी अपनी दीमक से उसे नहीं बचा पाता। उसकी आंखों के सामने देश के भ्रष्ट लोगों, देश के नेताओं व सत्ता के लुटेरों ने खुली किताब को लूटने का प्रयास किया है। बेचारी खुली किताब हर मंच पर पुकारी जाती है। जनता की आंखों के सामने उसे हर दिन छीनने की कोशिश होती है, लेकिन बुद्धिजीवी खुली किताब को नहीं बचा पा रहा है। अंततः एक दिन बुद्धिजीवी की खुली किताब सत्ता के दम पर चुरा ली गई। वह चोर के हाथों में जाते ही सांस नहीं ले पा रही थी और अंततः मर गई, अपनी लाज बचाते-बचाते।

उसकी मौत का इल्जाम बुद्धिजीवी पर ही लगा। देश की अदालत के सामने एक कठघरे में मरी हुई खुली किताब का शव और दूसरे में जीवित बुद्धिजीवी को लाया गया। जज ने जैसे ही अपने निर्णय में खुद को तथा कानून की निगाह को खुली किताब कहा, उसका शव चीख उठा। पन्ना-पन्ना चीख कर उडने लगा। खुली किताब के पन्ने बेपर्दा हो रहे थे। बुद्धिजीवी उन्हें समेट कर खुद को कानून की नई नजर से बचा रहा था। खुली किताब की हत्या के जुर्म में बुद्धिजीवी को सजा दे रहे जज ने प्रमाण के तौर पर उसके इर्द-गिर्द चस्पां पन्ने अपनी कस्टडी में रख लिए। अब कानून ने खुद को खुली किताब कहना शुरू कर दिया, जबकि इसके कत्ल के आरोप में बुद्धिजीवी पकड़ा जा चुका है।

निर्मल असो

4 जून को जारी होंगे चुनावी नतीजे, इस मौके पर क्या बंद रहेंगे बैंक?

परिवहन विशेष न्यूज

Bank Holiday on 4 June 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों का एलान 4 जून 2024 (मंगलवार) को होगा। वोटिंग की काउंटिंग सुबह 8 बजे से हो जाएगी। चुनावी नतीजों (Lok Sabha Election Result 2024) को लेकर कई लोगों के मन में सवाल है कि क्या इलेक्शन रिजल्ट की वजह से कल बैंक बंद रहेंगे। आइए इस आर्टिकल में इसका जवाब जानते हैं।

नई दिल्ली। Lok Sabha Election Result 2024: लोकसभा चुनाव (Lok Sabha Election 2024) के नतीजों का एलान 4 जून 2024 (मंगलवार) को होगा। वोटों की काउंटिंग सुबह 8 बजे से हो जाएगी। चुनावी नतीजों को लेकर कई लोगों के मन में सवाल है कि क्या इलेक्शन रिजल्ट की वजह से कल बैंक बंद रहेंगे?

दरअसल, लोकसभा चुनाव (Lok Sabha Election 2024) में वोटिंग के दिन बैंक हॉलिडे का एलान किया गया था। ऐसे में कई लोगों को लग रहा है कि चुनावी नतीजे के दिन भी बैंक बंद रहेगा।

आरबीआई (RBI) हर महीने के लिए बैंक हॉलिडे लिस्ट (Bank Holiday List) जारी करता है। इसका अलावा अगर कोई अतिरिक्त छुट्टी भी होती है तो उसके लिए नोटिफिकेशन जारी करता है।

आपको बता दें कि आरबीआई के बैंक हॉलिडे लिस्ट के अनुसार 4 जून को कोई बैंक हॉलिडे नहीं है। इसका मतलब है कि देश के सभी बैंकों में रेगुलर कामकाज होगा।

जून में कितने दिन बंद रहेगा बैंक? (Bank holidays in June 2024)

जून के महीने में 11 दिन बैंक बंद रहेंगे। इसमें दूसरा-चौथा शनिवार और रविवार शामिल है। इसके अलावा राजा संक्रांति और को ईद-उल-अधा के मौके पर बैंक बंद रहेंगे। अगर आप भी इस महीने किसी काम से बैंक जाने का सोच रहे हैं तो आपको बैंक हॉलिडे लिस्ट (RBI Bank Holiday List) जरूर चेक करना चाहिए।

जून में कब-कब बंद रहेगा बैंक?

8 जून 2024 (शनिवार) को दूसरा शनिवार है। इस वजह से देश के सभी बैंक बंद रहेंगे।

09 जून 2024 को रविवार है। इस दिन सभी बैंक बंद रहते हैं।

15 जून 2024 (शनिवार) को YMA दिन/राजा संक्रांति के मौके पर मिजोरम और ओडिशा के बैंक नहीं खुलेंगे।

16 जून 2024 (रविवार) को देश के सभी बैंक का साप्ताहिक हॉलिडे है।

17 जून 2024 (सोमवार) को ईद-उल-अज़हा के मौके पर मिजोरम, सिक्किम और ईटानगर के अलावा देश के सभी बैंक बंद रहेंगे।

18 जून 2024 (मंगलवार) को ईद-उल-अज़हा के अवसर पर जम्मू-कश्मीर के बैंक में छुट्टी है।

22 जून (शनिवार) को जून का चौथा शनिवार है। इस वजह से देश के सभी बैंक बंद रहेंगे।

23 जून 2024 (रविवार) को बैंक का साप्ताहिक अवकाश है।

30 जून 2024 (रविवार) को भी देश के सभी बैंक बंद रहेंगे।

टोल टैक्स बढ़ने से महंगाई का झटका, पर इन दो कंपनियों के शेयरहोल्डर्स की हो गई मौज

परिवहन विशेष न्यूज

टोल टैक्स बढ़ने से आम लोगों को महंगाई का बड़ा झटका लगा है। लेकिन दो हाइवे ऑपरेटर्स- आईआरबी इंफ्रा डेवलपर्स (IRB Infra) और अशोक बिल्डकॉन के शेयरहोल्डर्स की चांदी हो गई है। IRB Infra के शेयर आज इंट्रा-डे में 13 फीसदी से अधिक उछलकर रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गए।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव का एग्जिट पोल जारी होने के बाद टोल टैक्स में 5 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। इससे आम लोगों को महंगाई का बड़ा झटका लगा है। लेकिन, दो हाइवे ऑपरेटर्स- आईआरबी इंफ्रा डेवलपर्स (IRB Infra) और अशोक बिल्डकॉन के शेयरहोल्डर्स की चांदी हो गई है।

टोल महंगा होने से IRB Infra के शेयर आज इंट्रा-डे में 13 फीसदी से अधिक उछलकर रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गए। फिलहाल यह 9.83 फीसदी की बढ़त के साथ 72.65 रुपये पर हैं। इसका रिकॉर्ड हाई 76.55 रुपये है। इस स्तर तक यह 27 मई 2024 को पहुंचा था।

अशोक बिल्डकॉन के निवेशक भी मालामाल

टोल टैक्स बढ़ने से अशोक बिल्डकॉन (Ashoka Buildcon) के स्टॉक में भी जबरदस्त तेजी देखी गई। इंट्रा-डे में शेयर 9 फीसदी उछलकर 199.90 रुपये के नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। कुछ निवेशकों ने तेजी का फायदा उठाकर मुनाफावसूली की। लेकिन, शेयरों की जोरदार मांग रही इसलिए इसमें ज्यादा गिरावट नहीं आई। अशोक बिल्डकॉन का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर फिलहाल 6.76 फीसदी की बढ़त के साथ 195.75 रुपये हैं।

चुनाव के बाद कितना बढ़ा टोल टैक्स?

टोल टैक्स अमूमन हर साल अप्रैल में बढ़ता है। लेकिन, इस बार लोकसभा चुनाव के चलते टोल टैक्स में बढ़ोतरी का फैसला सरकार ने टाल दिया था। अब इसे आज 3 से 5 फीसदी के बीच बढ़ाया गया है। देश में टोल टैक्स में महंगाई के हिसाब से हर साल बदलाव किया जाता है। हाइवे ऑपरेटर्स ने देश के करीब 1100 टोल प्लाजा पर टोल में 3-5 फीसदी की बढ़ोतरी का नोटिस जारी किया है। टोल कलेक्शन की बात करें, तो यह वित्त वर्ष 2023 में यह 54 हजार करोड़ रुपये पर पहुंच गया था।

इन पांच वजहों से रॉकेट बना शेयर बाजार, क्या आगे भी जारी रहेगा तेजी का दौर?

शेयर मार्केट में रिकॉर्ड तेजी दिखी। सेंसेक्स और निफ्टी के साथ बैंक निफ्टी बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्सों ने भी अपना नया ऑलटाइम हाई बनाया। शुरुआती 2 घंटे में ही निवेशकों की संपत्ति 12 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई थी। आइए जानते हैं कि आज शेयर मार्केट में तूफानी तेजी क्या वजह रही और क्या यह आगे भी जारी रहेगी।

नई दिल्ली। भारतीय शेयर मार्केट में सोमवार (3 जून) को रिकॉर्ड तेजी दिखी। सेंसेक्स और निफ्टी ने पिछले सभी कीर्तिमानों को ध्वस्त कर दिया। बैंक निफ्टी, बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्सों ने भी अपना नया ऑलटाइम हाई बनाया। निवेशक भी मालामाल हो गए। शुरुआती 2 घंटे में ही निवेशकों की संपत्ति 12 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई थी। आइए जानते हैं कि आज शेयर मार्केट में तूफानी तेजी क्या वजह रही और क्या यह आगे भी जारी रहेगी।

एग्जिट पोल का कमाल : लोकसभा चुनाव के सभी एग्जिट पोल का अनुमान है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली एनडीए लगातार तीसरी बार भारी बहुमत से सत्ता में वापस आएगी और स्थिर सरकार बनेगी। इससे निवेशकों का हौसला बढ़ा और उन्होंने जमकर खरीदारी की। एक्सपर्ट का मानना है कि स्थिर सरकार रहने से सरकार को नीतिगत सुधार में करने आसानी होती है और यह चीज शेयर मार्केट को काफी पसंद आती है।

एग्जिट पोल ने मौजूदा सरकार के लिए एक यादगार जीत की आशा को सक्रिय कर दिया है, सुधारों के जारी रहने की उम्मीद में पीएसयू में भारी उछाल आया, जिससे आगे की दरों में फिर से वृद्धि हुई। एग्जिट पोल अगर नतीजों में बदलते हैं तो बाजार में शानदार रैली देखने को मिलेगी।

विनोद नायर, रिसर्चहेड, जियोजीत फाइनेंशियल

GDP की दमदार ग्रोथ : शुक्रवार 31 मई को शेयर मार्केट बंद होने के बाद GDP का डेटा आया। जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान देश की GDP 7.8 फीसदी रही। वहीं पूरे वित्त वर्ष में 2024 में इंडियन इकोनॉमी 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी। यह आंकड़ा तमाम रेटिंग एजेंसियों और अर्थशास्त्रियों के अनुमान से भी बेहतर रहा। इस फैक्टर ने भी निवेशकों का हौसला बढ़ाया।

वोलैटिलिटी इंडेक्स में गिरावट : लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान शुरू होने के बाद से ही वोलैटिलिटी इंडेक्स, India VIX बढ़ रहा था। यह शेयर मार्केट में अस्थिरता का संकेत देता है। लेकिन, सोमवार को India VIX में 18.3 फीसदी की भारी गिरावट आई। इससे पता चलता है कि शेयर मार्केट में अस्थिरता कम हुई है। इससे देश और विदेश के निवेशकों ने खरीदारी बढ़ाई।

ग्लोबल मार्केट का पॉजिटव रुख : ग्लोबल मार्केट में तेजी का रुख दिखा। अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ी है। कई एशियाई देशों से सकारात्मक इकोनॉमिक डेटा भी आए हैं। इससे एशियाई बाजारों में भी तेजी को देखने मिली है। इन सब पॉजिटिव ट्रेंड से भारत में भी निवेशकों का मनोबल बढ़ा और भारतीय शेयर बाजार नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया।

FII की वापसी की उम्मीद : पिछले कुछ हफ्तों से फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (FII) भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे थे। लेकिन, स्थिर सरकार बनने का संकेत मिलने के बाद उनकी वापसी की उम्मीद है। इससे भी शेयर मार्केट का सेंटिमेंट बेहतर हुआ कि यह आगे और भी ज्यादा बढ़ सकता है।

रॉकेट बना एसबीआई का शेयर, पहली बार 900 रुपये के पार पहुंचा स्टॉक, एम-कैप भी 8 लाख करोड़ के पार

परिवहन विशेष न्यूज

आज शेयर बाजार के दोनों सूचकांक में शानदार तेजी आई है। बाजार में आई तेजी की वजह से देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक के शेयर में तेजी आई। आज एसबीआई के शेयर 900 रुपये के पार कारोबार कर रहे हैं। वहीं एसबीआई का मार्केट कैपिटलाइजेशन 8 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया।

नई दिल्ली। आज शेयर बाजार के दोनों सूचकांक में शानदार तेजी आई है। बाजार में आई तेजी की वजह से देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक के शेयर में तेजी आई। आज एसबीआई के शेयर 900 रुपये के पार कारोबार कर रहे हैं। शेयर में आई तेजी के बाद एसबीआई के एम-कैप में शानदार बढ़त हुई है।

3 जून 2024 को एसबीआई का मार्केट कैपिटलाइजेशन 8 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। इस साल 7 मार्च 2024 को एसबीआई का एम-कैप 7 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा था।

एसबीआई के शेयर की परफॉर्मेंस

आज सुबह 9.15 बजे एसबीआई के शेयर 867.05 रुपये प्रति शेयर पर खुले थे। इसके बाद कंपनी के शेयर में लगातार तेजी देखने को मिली। वहीं, दोपहर 2.20 बजे एसबीआई के शेयर 74.65 अंक या 8.99 फीसदी की तेजी के साथ 905.00 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहा था।

अगर बैंक के शेयर की परफॉर्मेंस की बात करें तो इस साल में अब तक एसबीआई के शेयर ने 40 फीसदी का पॉजिटिव रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले 6 महीने में बैंक के शेयर ने 52.18 फीसदी और 1 साल में 54.12 फीसदी का रिटर्न दिया है।

एसबीआई किस पायदान पर

बैंक के वैल्यू के हिसाब से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया दुनिया का तीसरा बड़ा बैंक है। मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से देश का सबसे बड़ा एचडीएफसी बैंक (HDFC Bank) है। इसके बाद दूसरे नंबर पर आईसीआईसीआई बैंक (ICICI Bank) आता है।

बीते महीने भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की धीमी रही रफ्तार, निर्यात में दर्ज हुई 13 वर्षों में सबसे ज्यादा तेजी

भारत के विनिर्माण क्षेत्र में बीते महीने मई में लगातार दूसरे महीने वृद्धि दर में कमी देखी गई। वहीं वैश्विक बिक्री में 13 वर्षों में सबसे अधिक वृद्धि के साथ यह क्षेत्र विस्तार की स्थिति में बना रहा। सोमवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिकएचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स अप्रैल में 58.8 से गिरकर मई में 57.5 पर आ गया।

नई दिल्ली। भारत के विनिर्माण क्षेत्र में बीते महीने मई में लगातार दूसरे महीने वृद्धि दर में कमी देखी गई। वहीं, वैश्विक बिक्री में 13 वर्षों में सबसे अधिक वृद्धि के साथ यह क्षेत्र विस्तार की स्थिति में बना रहा। सोमवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स अप्रैल में 58.8 से गिरकर मई में 57.5 पर आ गया।

यह इस क्षेत्र में धीमे सुधार का संकेत रहा। मार्च में यह सूचकांक 16 साल के उच्चतम स्तर 59.1 पर पहुंच गया था।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की रफ्तार क्यों रही धीमी

पीएमआई के मुताबिक, 50 से ऊपर का अंक विस्तार का संकेत देता है, वहीं 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है।

एचएसबीसी की वैश्विक अर्थशास्त्री मैत्रेयी दास के अनुसार, ₹विनिर्माण क्षेत्र मई में विस्तार की स्थिति में रहा, हालांकि इसकी गति धीमी रही, जिसका कारण नए ऑर्डर और उत्पादन में धीमी वृद्धि रहे।

मंदी का कारण तीव्र गर्मी और बढ़ती उत्पादन लागत के बीच काम के घंटों में कमी को माना गया। दास ने कहा, ₹पैनलिस्टों ने मई में काम के घंटों में कमी का कारण गर्मी को बताया, जिससे उत्पादन की मात्रा प्रभावित हो सकती है।"

मई के आंकड़ों से भारतीय कारखाना उत्पादन में और वृद्धि देखी गई, जिसने विस्तार के वर्तमान क्रम को लगभग तीन वर्षों तक बढ़ा दिया। तीन महीने के निचले स्तर पर आने के बावजूद, वृद्धि की दर तेज रही।

नए ऑर्डर को लेकर देखी गई वृद्धि

रिपोर्ट में कहा गया है कि वृद्धि को नए व्यापार लाभ, मांग की मजबूती और सफल विपणन प्रयासों से समर्थन मिला। नए ऑर्डर में पर्याप्त वृद्धि हुई, जो कि तीन महीनों में सबसे धीमी थी।

रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि विपणन प्रयासों, मांग की मजबूती और अनुकूल आर्थिक स्थितियों से जुड़ी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कथित तौर पर प्रतिस्पर्धा और चुनाव संबंधी व्यवधानों से वृद्धि बाधित हुई, कुल बिक्री के रुझान के विपरीत, मई में नए निर्यात ऑर्डर में तेज गति से वृद्धि हुई।

अंतरराष्ट्रीय बिक्री में दर्ज हुआ उछाल

अंतरराष्ट्रीय बिक्री में उछाल 13 वर्षों में सबसे अधिक रहा, क्योंकि निर्माताओं ने अफ्रीका, एशिया, अमेरिका, यूरोप और मध्य पूर्व के कई देशों में ग्राहकों से लाभ देखा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मई में जारी मजबूत बिक्री प्रदर्शन और सकारात्मक वृद्धि पूर्वानुमानों ने रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च 2005 में डेटा संग्रह शुरू होने के बाद से विनिर्माण रोजगार में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई है, साथ ही कहा गया है कि बढ़ती सामग्री और माल ढुलाई लागत के समानांतर नौकरियों में वृद्धि ने माल उत्पादकों में इनपुट लागत में तेजी से वृद्धि को रेखांकित किया।

दिल्ली-एनसीआर समेत इन शहरों में होगी एयर टैक्सी की शुरुआत, नई सरकार बनने से पहले आ गई ये जानकारी

संजय बाटला

दिल्ली-एनसीआर समते देश के कुछ और शहरों में एयर टैक्सी की जल्द शुरुआत होने वाली है। नई सरकार के गठन से पहले ही डीजीसीए ने इसकी तैयारी तेज कर दी है। राजधानी दिल्ली के अलावा मुंबई, बेंगलुरु और उसके बाद कुछ दूसरे शहरों में इसकी शुरुआत होगी। DGCA की ओर से रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

DGCA ने रोडमैप तैयार करने के लिए कई तकनीकी समितियों का गठन किया है। जब भारत ई-वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग के लिए नियम बना लेता है तब इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज (IGE) अमेरिकी एयर टैक्सी निर्माता आर्चर एविएशन के साथ आवश्यक बुनियादी ढांचे को स्थापित करने पर काम शुरू कर देगी।

नई दिल्ली : भारत में अगली सरकार किसकी बनेगी इसकी तस्वीर कल साफ हो जाएगी। वहीं तमाम एग्जिट पोल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के शानदार संकेत दे रहे हैं। वहीं नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने एक ऐसी योजना पर काम शुरू कर दिया है जिसे वह देश में लाने के लिए काफी उत्सुक है। डीजीसीए ने देश के कई शहरों में एयर टैक्सी को जल्द शुरू करने की योजना बनाई है। एयर टैक्सियों की शुरुआत 2026 में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और बेंगलुरु से होगी, उसके बाद चेन्नई और हैदराबाद जैसे अन्य शहरों में भी इसकी शुरुआत होगी।

DGCA ने रोडमैप तैयार करने के लिए कई तकनीकी समितियों का गठन किया है। जब भारत ई-वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग के लिए नियम बना लेता है तब इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज (IGE) अमेरिकी एयर टैक्सी निर्माता आर्चर एविएशन के साथ आवश्यक बुनियादी ढांचे को स्थापित करने पर काम शुरू कर देगी।

आर्चर की एक टीम ने हाल ही में भारत में इस संबंध में यहां विमानन अधिकारियों से मुलाकात की। IGE इसके लिए नियामक के साथ नियमित संपर्क में है। IGE के चीफ राहुल भाटिया ने आर्चर से लगभग एक अरब डॉलर की सूची मूल्य पर 200 मिडनाइट एयर टैक्सियों का ऑर्डर दिया है। आर्चर को उम्मीद है कि वह अगले साल न्यूयॉर्क और शिकागो के साथ अमेरिका में परिचालन शुरू कर देगी। इसके तुरंत बाद, भारत और यूएई में उन्हें लॉन्च करने की योजना है। भाटिया ने हाल ही में आर्चर के अमेरिकी मुख्यालय का दौरा किया और ईवीटीओएल को देखा। भाटिया ने आर्चर मुख्यालय में कहा था, यह (एयर टैक्सी) अलग नहीं है और देश में बहुत शक्तिशाली तरीके से काम करेगी।

आर्चर के भारतीय मूल के सीसीओ निखिल गोयल का कहना है कि इस सेवा का उपयोग करने की प्रति यात्री लागत उबर की तुलना में 'थोड़ी अधिक' होने की संभावना है। उदाहरण के लिए, दिल्ली-गुड़गांव में उबर द्वारा 1,500-2,000 रुपये खर्च होते हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था, 'एक एयर टैक्सी (प्रति यात्री) की लागत 2,000-3,000 रुपये तक होगी। आर्चर इस साल जॉर्जिया के अपने कारखाने में मिडनाइट का निर्माण शुरू करेगा। यह भारत सहित अन्य स्थानों पर भी एयर टैक्सी बनाने के लिए ऑटो प्रमुख स्टेलांटिस के साथ काम कर रहा है।

कुछ खास एव जरूरी बाते

1. वायुमंडल में ओजोन परत हमारी रक्षा किन किरणों से करती है ?
Ans - पराबैंगनी किरणों से
2. परॉक्सीसिटिक क्या है ?
Ans - वायु प्रदूषक
3. ' ग्रीन हाउस प्रभाव ' के कारण पृथ्वी का तापमान क्या होता है ?
Ans - बढ़ता है
4. भारत में सबसे अधिक वन किस प्रदेश में है ?
Ans - मध्य प्रदेश
5. वायुमंडल में कौन - सी गैस सर्वाधिक पायी जाती है ?
Ans - नाइट्रोजन
6. किसी क्षेत्र में पेड़ो के उगने के लिए अपेक्षित न्यूनतम तापमान कितना होना चाहिए ?
Ans - 4 डिग्री सेल्सियस
7. भारत में वन अनुसंस्थान केंद्र कहॉ स्थित है ?
Ans - देहरादून
8. वनरोपण प्रक्रिया किसकी है ?
Ans - ज्यादा पेड़ लगाने की
9. भारत में अधिकतम वनाच्छादन क्षेत्र कौन - सा है ?
Ans - आरक्षित वन
10. हरा सोना किसे कहा जाता है ?
Ans - वन को
11. भारत में अधिकांश वन संपदा का मालिक कौन है ?
Ans - राज्य
12. वन महोत्सव किससे संबंधित है ?
Ans - पेड़ लगाने से
13. सोपान कृषि कहॉ की जाती है ?
Ans - पहाड़ो के ढलान पर
14. पर्यावरण अध्ययन की प्रकृति कैसी है ?
Ans - बहु अनुशासनिक
15. हम चारो ओर जिन दशाओं से घिरे हुए है, उनका योग क्या कहलाता है ?
Ans - पर्यावरण
16. वैश्विक पर्यावरण के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण वन कौन - सा है ?
Ans - उष्ण कटिबंधीय वन
17. पर्यावरण उन बाहरी दशाओं और प्रभावों का योग है, जो पृथ्वी तल पर जीवों के विकास चक्र को प्रभावित करते है। यह कथन किसने दिया है ?
Ans - निकोलस
18. पर्यावरण एक बाह्य शक्ति है, जो कि हमें प्रभावित करती है। यह कथन किनका है ?
Ans - सी. सी. पार्क का
19. विश्व में पर्यावरण जागरूकता की शुरूआत किसने की थी ?
Ans - विलियम हैवेट
20. पर्यावरण का जैविक कारक क्या है ?
Ans - वनस्पति
21. यह कथन किसका है, कि जीवों के पारिस्थितिक कारकों का योग पर्यावरण है ?
Ans - ए. फिटिंग
22. पर्यावरणीय निश्चयवाद के प्रतिपादक कौन थे ?
Ans - कार्ल रिटर
23. वर्ष 2002 को संयुक्त राष्ट्र संघ ने किसका अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है ?
Ans - सतत विकास का
24. विश्व पर्यावरण दिवस किस तारीख को मनाया जाता है ?
Ans - 5 जून
25. पर्यावरण का सन्तुलन बनाये रखने के लिए वनान्तर्गत क्षेत्रफल कितना प्रतिशत होना चाहिए ?
Ans - 33 %

लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले ही अमूल और मदर डेयरी दूध के बढ़े दाम

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। अमूल ब्रांड नाम से मिल्क और मिल्क प्रॉडक्ट की मार्केटिंग करने वाले गुजरात कॉओपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन ने देश भर के सभी बाजारों में लोकसभा चुनाव नतीजों से पहले ही से दूध के फ्रेश पाउच की कीमतों में लगभग 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी का एलान किया है. गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने इस बढ़ोत्तरी पर कहा कि "दूध के संचालन और उत्पादन की कुल लागत में वृद्धि के मद्देनजर सोमवार से सभी प्रकार के अमूल दूध की कीमत में दो रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है."

अमूल ब्रांड के तहत दूध और डेयरी उत्पादों का विपणन जीसीएमएमएफ करती है। जीसीएमएमएफ के प्रबंधन निदेशक जयन मेहता ने कहा कि अमूल ब्रांड के तहत सभी प्रकार के दूध की कीमत में दो रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है. पिछली बार जीसीएमएमएफ ने दूध की कीमत फरवरी 2023 में बढ़ाई थी. ताजा बढ़ोतरी के साथ 500 मिलीलीटर अमूल भैंस दूध, 500 मिलीलीटर अमूल गोल्ड दूध और 500 मिलीलीटर अमूल शक्ति दूध जैसे दूध की संशोधित कीमतें क्रमश:36 रुपए, 33 रुपए और 30 रुपए हैं. जीसीएमएमएफ ने एक बयान में कहा, दो रुपए प्रति लीटर की वृद्धि से एमआरपी में 3-4 फीसदी की वृद्धि होती है, जो औसत खाद्य महंगाई से काफी कम है. बयान में कहा गया है, "कीमत में संशोधन से हमारे दुग्ध उत्पादों को लाभकारी दूध की कीमतों को बनाए रखने और उन्हें और दुग्ध उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी."

हिमाचल की महिलाओं में बढ़ा गाड़ी चलाने का क्रेज, आंकड़ों में खुलासा

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में अब महिलाओं में भी गाड़ी चलाने का क्रेज बढ़ रहा है। दोपहिया वाहनों से लेकर कार चलाने तक के लिए महिलाएं आगे आ रही हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले तीन साल में लगातार महिलाओं के ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की संख्या बढ़ रही है। प्रदेश में इस साल अप्रैल तक यानी चार महीनों में 5,078 महिलाओं ने ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया है। वहीं साल 2023 में 13,333 महिलाओं ने ड्राइविंग लाइसेंस बनाए हैं। यह कुल लाइसेंस का 14.11 फीसदी हैं।

इससे पहले साल 2022 में यह आंकड़ा 12.59 फीसदी रहा था। प्रदेश की सड़कों पर दोपहिया और चौपहिया वाहनों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। हर साल बड़ी संख्या में लोग ड्राइविंग लाइसेंस बना रहे है। इसके साथ ही महिलाओं का भी लाइसेंस बनाने में रुझान बढ़ा है। प्रदेश भर में वाहन चलाना सिखाने के लिए कई नए ड्राइविंग स्कूल भी खुल चुके हैं। ऐसे में महिलाएं भी इनसे फीस देकर आसानी से वाहन चलाना सीख रही हैं। प्रदेश में कई महिलाएं इससे आत्मनिर्भर भी बन रही है। पुरुषों के अलावा अब महिलाएं भी टैक्सियां चलाकर कमाई कर रही हैं।

युवतियों-कामकाजी महिलाओं की संख्या ज्यादा

प्रदेश में ज्यादातर युवतियों और कामकाजी महिलाओं का वाहन चलाने में रुझान देखने को मिला है। परिवहन विभाग के अनुसार कई युवतियां शौकिया तौर पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवा रही हैं। नौकरी-पेशा महिलाएं आसानी से आवाजाही करने के लिए भी लाइसेंस बना रही हैं। उधर कई महिलाएं परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए भी ड्राइविंग लाइसेंस बनवा रही हैं। बच्चों को स्कूल छोड़ने और स्कूल से घर लाने के लिए महिलाएं वाहन चला रही हैं।

किस साल कितने बने लाइसेंस

वर्ष	महिलाएं	पुरुष	कुल	महिला %
2022	11,945	82833	94828	12.59
2023	13333	81092	94464	14.11
2024	5078	29860	34945	14.53

नोट: 2024 का यह आंकड़ा अप्रैल महीने तक का है।

पौधे लगाना और उनको बचाकर पेड़ बनाना ही मानव का नैतिक कर्तव्य होना चाहिए : डॉ उमेश शर्मा

अभी भी समय हैं जागिये, दूसरों या सरकार के भरोसे मत रहिये : डॉ उमेश शर्मा

परिवहन विशेष न्यूज

आगरा। आज ताजनगरी और उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में भयंकर गर्मी का प्रकोप बरस रहा है। इस भयंकर गर्मी से सिर्फ़ पशु पंछी ही नहीं इंसान भी परेशान हैं। हर साल गर्मी के मौसम में न जाने कितने पशु - पंछी और इंसान हीटस्ट्रोक का शिकार हो कर जान जा रही हैं। हम यदि एक छोटी-सी कोशिश करें, थोड़ी-सी मानवता दिखाएं और अपने घर-ऑफ़िस के आस पास पेड़ पौधे लगाएं तो गर्मी के कारण होने वाली मौत में काफ़ी कमी आ सकती है। ये बात आगरा के सुप्रशिद्ध एवं लोकप्रिय वरिष्ठ समाजसेवी डॉ उमेश शर्मा व उनका परिवार भी ख़ूब समझता हैं।

इस सन्दर्भ में उन्होंने कहा कि इस बार की प्रचंड गर्मी ने सारे रिकार्ड ध्वस्त कर दिये हैं। पता नहीं अभी पारा और कितना ऊपर जायेगा। आज हर शख़्स गर्मी से परेशान है, हर तरफ़ हाय हाय मची हुई है। आज लोगों को बहुत गर्मी लग रही है, लेकिन कब तक ऐसी कूलर का सहारा लेंगे, आज पूरे भारत में करोड़ पेड़ों की जरूरत है। यह कुछ ही समय में 40°C से 47°तक पहुंच जाता है। 56°C में इंसानों का जीवित रहना मुश्किल होगा और अभी गर्मी ने तो अपना तेवर दिखाना शुरू ही किया है। आप सभी देख रहे हैं कि 45 से 49 डिग्री को 56° होने में देर नहीं लगेगी। अभी से आगामी वर्षो में खरतनाक गर्मी का क्या सितम होगा? ये एक कुदरत की चेतावनी हैं अभी से सतर्क हो जाइये और पौधे लगाने की शुरु कर दीजिए क्योंकि एक पौधे को बड़ा होने मे कम से कम 5 साल लग जाएगे।

श्री शर्मा ने आगे कहा कि सब कुछ सरकार पर मत छोडिये। हालांकि हम सब जानते हैं कि टेम्परेचर को कम करने में पेड़-पौधों का अहम रोल है, मगर तमाम बातें जानते हैं पर मानते नहीं हैं और सब जानते हुये भी आंख बंद करके इत्मीनान से बैठे हुए हैं। लेकिन अभी तो भीषण गर्मी कम पड़ रही है, आने वाले समय में ये ओर खतरनाक रूप से बढ़ेगी तब सब की आंखें खुलेंगीं। इस दिल दहला देने वाली इस भीषण गर्मी के बाद कम से कम अब तो ये समझ आया ही होगा कि पेड़ पौधे हमारे लिए कितना ज़रूरी हैं। इसलिए आज से संकल्पित होकर प्रण ले कि किसी भी शुभ अवसर पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं और उनका ख्याल रखें। यकीन मानिए यह आपका एक अच्छा अनुभव होगा। अभी भी वक्त है। बारिश का मौसम शुरू वाला है, सभी महानुभावों से निवेदन हैं कि पौधे लगाना और उनको बचाकर पेड़ बनाना ही मानव का नैतिक कर्तव्य होना चाहिए। अभी भी समय हैं जागिये, दूसरों या सरकार के भरोसे मत रहिये। अपने आसपास पेड़ पौधे लगाए और अपनो और हमारी आने वाली पीढ़ी को बचाइये।

इंडिगो की फ्लाइट में मिली बम की सूचना, चेन्नई से कोलकाता जा रहे विमान ने दो घंटे की देरी से भरी उड़ान

सोमवार सुबह चेन्नई से कोलकाता जाने वाली इंडिगो (IndiGo flight) की एक विमान को बम की धमकी मिली। इस कारण उड़ान में दो घंटे की देरी हुई। थुराईपक्कम स्थित इंडिगो कॉल सेंटर पर कॉल आने के बाद अधिकारियों ने उड़ान को एक आइसोलेटेड बे में ले जाया गया और जांच की गई। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद विमान को सुबह 10 .30 बजे रवाना किया गया।

चेन्नई। इंडिगो की चेन्नई-कोलकाता फ्लाइट में सोमवार (3 जून) को बम की सूचना मिली। एयरलाइन ने बताया कि बम की धमकी मिलने के बाद उड़ान में दो घंटे की देरी हुई। दरअसल, विमा को एक कॉल में चेतावनी दी गई थी कि उड़ान में बम विस्फोट हो सकता है। एयरलाइन के मुताबिक, यहां थुराईपक्कम स्थित इंडिगो कॉल सेंटर पर कॉल आने के बाद अधिकारियों ने विमान को एक अलग स्थान पर ले जाकर सुरक्षा जांच की। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद विमान को सुबह 10.30 बजे रवाना होने की अनुमति दे दी गई।

अकासा एयर को भी मिली बम की धमकी : ऐसे ही अकासा एयर की एक फ्लाइट में भी बम होने की खबर से हड़कंप मच गया है। दिल्ली से मुंबई जा रही फ्लाइट को अलर्ट करने के बाद विमान को अहमदाबाद की ओर डायवर्ट कर दिया गया। बता दें कि विमान में 186 यात्री, 1 बच्चा और छह चालक दल के सदस्य सवार थे। कैप्टन ने 10 बजकर 13 मिनट पर सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान को सुरक्षित रूप से लैंड किया। बता दें कि सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार दिया गया है।

Lions Eye Hospital, E-Block, Kavi Nagar
Ghaziabad
दुनिया की सबसे बड़ी गुरुद्वारा संस्था, गाजियाबाद में करोड़ो रु की मशीनों के साथ अच्छे डॉक्टरों से आँखो का फ्री ऑपेरशन कराओ।
खाना फ्री- रहना फ्री
आने जाने का किराया फ्री
दवाइयां फ्री
चश्मा फ्री
लेंस फ्री
बस इसे आगे भेजो ताकि समाज का भला हो सके। msg को आगे भेजने की भी उतनी सेवा लगेगी जितनी सेवा गुरु घर की सेवा लगती है क्योंकि किसी का इलाज आपके msg करने से होगा तो दुआयें भी आपको ही देगा।
फोन नंबर :
0120 4544242
09871287003
09457225929

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। **RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**